



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 11]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 14 मार्च 2014-फाल्गुन 23, शके 1935

भाग 3 (1)

विज्ञापन

स्थानीय संस्थाओं की सूचनाएँ

कार्यालय कटनी विकास प्राधिकरण, कटनी

दिनांक 10 जनवरी, 2014

नगर विकास योजना क्रमांक 01 बनाये जाने बाबत

क्र./820/के.डी.ए./2013.—मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा-50 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा सर्व-साधारण की सूचना हेतु प्राधिकरण की दिंगिशरी में प्रस्तावित आवासीय सह वाणिज्यिक योजना क्रमांक 01 के क्रियान्वयन हेतु योजना की मंशा की घोषणा की जाती है जो कि नगर तथा ग्राम निवेश प्राधिकरण की योजना क्रमांक 01 के नाम से जानी जावेगी। उक्त विकास योजना निम्न विवरण में दर्शाये अनुसार क्षेत्र में बनाई जाना है। जिसकी चतुर्सीमा का विवरण निम्नानुसार है :—ग्राम दिंगिशरी नं. बंदोबस्त 223 पटवारी हल्का नं. 29, राजस्व नि. मं. मुडवारा 2 तहसील कटनी, जिला कटनी के खसरा नं. 691, 692, 699, 700, 703, 704, 705/1, 722/1 क, 722/1 ख, 723 जिनका रकबा क्रमशः 0.03, 3.29, 2.90, 0.52, 1.29, 0.71, 43.70, 24.36, 6.28 एवं 2.52 कुल रकबा 85.60 हैक्टेयर शासकीय भूमि जो कि विकास प्राधिकरण को आवंटित है। जिसकी चौहदी निम्नवत् है—

उत्तर दिशा में— खसरा नं 622, शासकीय नहर, खसरा नं. 697 शासकीय नाला खसरा क्रमांक 698, 693, 994, 695, 696, 989, 690 एवं शासकीय भूमि 688 से लगी हुई है।

दक्षिण दिशा में— शासकीय भूमि खसरा नं. 739, 748/1, 722/1ड; 722/1ट, 722/1 ड, 722/1च से लगी हुई भूमि।

पूर्व दिशा में— 657/1, 668, 702/2, 708/2 तथा खसरा क्रमांक 765 राष्ट्रीय राज मार्ग एन एच-7 से 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718 से लगी हुई सीमा।

पश्चिम दिशा में— ग्राम गुलवारा की भूमि एवं खसरा क्रमांक 730 तथा 724, 731 ग्राम दिंगिशरी से लगी हुई भूमि।

दिनेश श्रीवास्तव,
मुख्य कार्यपालन अधिकारी।

अन्य सूचनाएं

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स श्री राधा कृष्ण इन्टरप्राइजेज स्थित बेण्ड वाली गली, दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर में दिनांक 01-09-2013 को भागीदार श्री भगवान दास गुप्ता पुत्र श्री ग्यासीराम गुप्ता, निवासी—बालाबाई का बाजार, लश्कर, ग्वालियर अपने स्वेच्छा से फर्म से पृथक् हो रहे हैं एवं इसी दिनांक से श्रीमती अंजना लड़ा पत्नि श्री हरीओम लड़ा, निवासी 10-एस.आर. खेड़ापति कॉलोनी, ग्वालियर फर्म में सम्मिलित हो रही हैं। आमजन एवं सर्वजन सूचित हों।

(649-बी.)

हरीओम लड़ा,

फर्म—श्री राधा कृष्ण इन्टरप्राइजेज,
बेण्ड वाली गली, दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर (म. प्र.)
द्वारा—धर्मेन्द्र चतुर्वेदी (एडवोकेट)
जिन्सी नाला रोड, लश्कर, ग्वालियर.

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, अपने पक्षकार फर्म मैसर्स श्री प्रभा रियल एस्टेट की ओर से सर्व-साधारण को सूचित करता हूँ कि उपरोक्त फर्म चार पार्टनर सहित पंजीकृत हुई प्रथम पक्षकार श्री अरूण माथुर, द्वितीय पक्षकार श्री दीपक नरवरिया, तृतीय पक्षकार श्री गिरीश माथुर एवं चतुर्थ पक्षकार सुरभि माथुर रहे हैं। उक्त चारों का फर्म में 25-25 प्रतिशत का हिस्सा था, जिसमें से भागीदार क्र.-2 श्री दीपक नरवरिया पुत्र श्री पी. एस. नरवरिया स्वयं ही हट रहे हैं। दीपक नरवरिया दिनांक 29-05-2013 से पृथक् हो रहे हैं। उपरोक्त दिनांक से उनकी भागीदारी स्वतः समाप्त मानी जावेगी। अब शेष तीनों भागीदारों का अंश अनुपात क्रमशः अरूण माथुर 50 प्रतिशत, गिरीश माथुर 25 प्रतिशत एवं कुमारी सुरभि माथुर 25 प्रतिशत रहेगा।

अतः किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो आज दिनांक 08-02-2014 से मेरे कार्यालय में संपर्क करें।

द्वारा—राजेन्द्र सिंह राजपूत,

अधिवक्ता।

(650-बी.)

प्लाट नं. 25-26, कामर्शियल एरिया,

बैंक ऑफ बडोदा के पास, तिलोचन नगर, भोपाल (म. प्र.).

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मै. मॉ इन्टरनेशनल विनोद मार्केट, मैना वाली गली, दाल बाजार, ग्वालियर में निम्नलिखित दो साझेदार थे—

1. श्री रमेशचन्द्र गुप्ता S/o श्री मोतीलाल गुप्ता
2. श्री भरतकुमार गुप्ता S/o श्री रामकैलाश गुप्ता

यह कि दिनांक 05-12-2013 से फर्म ने अपना व्यवसाय बंद कर दिया है एवं उपरोक्त वर्णित साझेदारों के मध्य साझेदारी अनुबंध को समाप्त कर रही है।

(651-बी.)

वास्ते —मॉ इन्टरनेशनल,

भरतकुमार गुप्ता,

रमेशचन्द्र गुप्ता,

(भागीदार)।

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स श्री बालाजी कम्प्यूटर स्टेशनरी वर्क, 221, सुमेर वाटिका, पिंटो पार्क, भिण्ड रोड, गोले का मन्दिर, ग्वालियर में दिनांक 23-02-2013 को भागीदार श्री श्री राजा विक्रम सिंह गौर पुत्र श्री रघुवीर सिंह गौर, निवासी सुमेर सिंह का बाड़ा,

फोर्ट रोड, ग्वालियर अपने स्वेच्छा से फर्म से पृथक् हो गये हैं एवं दिनांक 01-02-2014 से श्रीमती श्रुखला तोमर पत्नी श्री शैलेन्द्र तोमर, निवासी—एच-41, एम ब्लॉक, दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर फर्म में सम्मिलित हो रही हैं। आमजन एवं सर्वजन सूचित हों।

सुनील कुमार,

फर्म—श्री बालाजी कम्प्यूटर स्टेशनरी वर्क,

221, सुमेर वाटिका, पिन्डो पार्क,

भिण्ड रोड, गोले का मन्दिर, ग्वालियर (म. प्र.)

द्वारा—व्ही. बी. त्यागी (एडवोकेट)

संजय कॉम्प्लेक्स, ज्येन्द्रगंज, लश्कर, ग्वालियर.

(653-बी.)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स जय माता की कन्स्ट्रक्शन कम्पनी भरहुत नगर सतना, दिनांक 07 मार्च, 2014 से फर्म के भागीदार दिलीप कुमार मिश्रा को फर्म से पृथक किया जाता है उक्त दिनांक से फर्म के नये भागीदार परिणीता मिश्रा को शामिल किया जाता है। उक्त दिनांक से फर्म से पृथक किये गये भागीदार का कोई लेना-देना नहीं रहेगा। अब उक्त फर्म में मृदुला तिवारी (मिश्रा) परिणीता मिश्रा, गया प्रसाद द्विवेदी, संदीप तिवारी उक्त फर्म के भागीदार हैं।

मृदुला मिश्रा,

JAI MATA KI,

Construction Company,

Satna (M.P.).

(656-B.)

नाम परिवर्तन

मैं, करिश्मा शर्मा W/o संजय शर्मा, 9, माता मंदिर, टी. टी. नगर, खोपाल. विवाह के पूर्व मेरा नाम किरण तिवारी D/o एस. के. तिवारी था। 14-05-1998 को विवाह पश्चात् करिश्मा शर्मा नाम हो गया है। इसी नाम से जानी, पहचानी जाती हूँ।

पुराना नाम :

नया नाम :

(किरण तिवारी)

(करिश्मा शर्मा)

D/o एस. के. तिवारी

W/o संजय शर्मा।

(644-बी.)

नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम अभिषेक जैन पुत्र आभा जैन है। जबकि उसके स्कूल अभिलेखों में उसका नाम अभिषेक कोठिया जैन पुत्र आभा कोठिया जैन लिखा है जो कि त्रुटिपूर्ण है। अतः आगे से स्कूल सहित सभी जगह पर हमें अभिषेक जैन पुत्र आभा जैन लिखा, पढ़ा जावे।

आभा जैन,

D-136, पटेल नगर, सिटी सेंटर,

ग्वालियर (म. प्र.).

(645-बी.)

नाम परिवर्तन

मैं, रोहित मल्होत्रा आत्मज श्री इंद्र मोहनलाल मल्होत्रा, निवासी—81/1, आई. पी. एफ. शालीमार टाउनशिप, ए. बी. रोड, इंदौर, म. प्र. का पूर्व का नाम रोहित मल्होत्रा था जिसे मेरे द्वारा बदलकर रोहित सिंह किया जा रहा है, भविष्य में मुझे इसी नाम “रोहित सिंह आत्मज श्री इंद्र मोहनलाल मल्होत्रा” से जाना, पहचाना जावे एवं समस्त शासकीय अशासकीय विभागों में भी मेरा नया नाम ही मान्य होगा।

पुराना नाम :

नया नाम :

(रोहित मल्होत्रा)

(रोहित सिंह)

(646-बी.)

उप-नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, गोपाल सिंह राजपूत पुत्र श्री बाबूसिंह राजपूत, निवासी—दुर्गा कॉलोनी, सलीम चाचा की बाड़ी, गुना का कुछ दस्तावेज मार्कशीट (अंकसूची) में सरनेम के स्थान पर राजपूत अंकित है। यह कि अब मैं अपने नाम के साथ सरनेम कुशवाह लिख रहा हूं। मूलतः आज दिनांक से मेरा नाम गोपाल सिंह कुशवाह पुत्र श्री बाबूसिंह कुशवाह माना जावे एवं लिखा/पढ़ा जावे।

पुराना नाम :

नया नाम :

(गोपाल सिंह राजपूत)

(गोपाल सिंह कुशवाह)

(647-बी.)

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, राजेश कुमार पुत्र श्री हरिसिंह निवासी—न्यू नर्सिंग नगर, चार शहर का नाका, हजीरा, ग्वालियर प्रारम्भ में अपना नाम राजेश कुमार पुत्र श्री हरिसिंह लिखता था, जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में भी अंकित है। वर्तमान में अपना नाम अनूप कुमार पुत्र श्री हरिसिंह लिखना प्रारम्भ कर दिया है।

अतः भविष्य में भी मुझे मेरे नाम राजेश कुमार के स्थान पर अनूप कुमार के नाम से जाना जावे तथा पढ़ा जावे।

पुराना नाम :

नया नाम :

(राजेश कुमार)

(अनूप कुमार)

न्यू नर्सिंग नगर, चार शहर का नाका,
हजीरा, ग्वालियर (म.प्र.).

(652-बी.)

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड की अंकसूची में मेरा नाम कमलेश अंकित है। जबकि मेरी अन्य सभी अंकसूचियों में मेरा सही नाम कमलेश कैथोलिया लिखा हुआ है। अतः सभी जगह मेरा नाम कमलेश कैथोलिया ही लिखा, पढ़ा जावे।

पुराना नाम :

नया नाम :

(कमलेश)

(कमलेश कैथोलिया)

पुत्र-स्व. श्री विजय सिंह,
लाल टिपारा, मुरार,
जिला ग्वालियर (म. प्र.)

(654-बी.)

नाम परिवर्तन

पहले मेरा नाम मारिया हुसैन (MARIA HUSAIN) था, अब बदलकर मेरा नाम मारिया हुसैन (MARIYAH HUSAIN) हो गया है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

पुराना नाम :

नया नाम :

(मारिया हुसैन)

(मारिया हुसैन)

(MARIA HUSAIN)

(MARIYAH HUSAIN)

पता-बी-149, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी,
कोहफिजा, भोपाल,(म. प्र.).

(655-बी.)

विविध

आयुक्तों तथा जिलाध्यक्षों की सूचनाएं

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला इन्दौर

इन्दौर, दिनांक 7 फरवरी, 2014

क्र./366/री.ए.डी.एम./2014.—पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, जिला इन्दौर द्वारा अपने प्रतिवेदन पत्र क्रमांक पुआ/याता/इ/71-आई/14, दिनांक 23 जनवरी, 2014 द्वारा अवगत कराया गया कि इन्दौर शहर के अन्दर नवलखा से अग्रसेन होकर लोहा मण्डी एवं अनाज मण्डी की ओर प्रतिदिन 800 से 1000 के मध्य भार वाहनों का लगातार आवागमन होता रहता है। अग्रसेन चौराहा पर छावनी, टॉवर चौराहा एवं नवलखा चौराहा तरफ से आने वाले वाहनों का दबाव अत्यधिक रहता है, विशेषकर स्कूल/कॉलेज, शासकीय कर्मचारियों, प्रायवेट व्यक्तियों एवं व्यापारियों के आवागमन

का प्रमुख मार्ग होने से प्रातः 8.00 बजे से दोप. 12.00 बजे एवं सायं 5.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे के मध्य यातायात का अत्यधिक दबाव इस क्षेत्र में रहता है और सदैव दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग पर सामान्य वाहनों के साथ-साथ भार वाहनों के परिवहन के कारण दुर्घटनाओं की आशंका के साथ-साथ सदैव जाम की स्थिति बनी रहती है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए नवलखा से अग्रसेन होकर लोहा मण्डी में भारी वाहनों के आवागमन को नियंत्रित/प्रतिबंधित किये जाने हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः प्रस्तुत प्रस्ताव का अवलोकन किया गया। प्राप्त प्रस्ताव से सहमत होते हुए मोटरयान नियम-1994 के नियम-215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मोटरयान अधिनियम-1988 की धारा-115 में विहित प्रावधानों के अनुपालन में मैं, आकाश त्रिपाठी, जिला दण्डाधिकारी, जिला इन्दौर निम्नानुसार व्यस्तम मार्ग पर उनके सामने दर्शये गये समय एवं अवधि में ट्रक/भारवाही वाहनों के इन्दौर शहर में आवागमन के सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से निम्नानुसार प्रतिबन्धित करता हूँ :—

क्र.	मार्ग	प्रतिबंधित समय एवं अवधि	रिमार्क
1.	नवलखा से अग्रसेन होकर लोहा मण्डी में आने-जाने वाले ट्रक/भारवाही वाहनों।	प्रातः 08.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे एवं सायं 04.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक	
1.	यह प्रतिबंध केवल भार वाहनों के लिये है, शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप तथा दुपहिया वाहन यथावत् पूर्ववत् चालू रहेंगे।		
2.	उपरोक्त आदेश विभिन्न विभागों तथा जन-सामान्य आदि से प्राप्त सूचनाओं तथा अन्य निष्कर्षों के आधार पर उक्त आदेश को पूर्णतः/अंशतः यथाअपेक्षित संशोधित किया जा सकेगा। यह आदेश एक मास की अवधि तक प्रभावशील रहेगा, निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति आदि प्राप्त न होने पर यह अधिसूचना स्वतः अमल में आवेगी।	आकाश त्रिपाठी, जिला दण्डाधिकारी।	

(178)

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सागर

सागर, दिनांक 03 फरवरी, 2014

क्र./777/व. लि.-3/-14.—मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक एम-3/2/1999/1/4, दिनांक 30 मार्च, 1999 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुये मैं, योगेन्द्र शर्मा, कलेक्टर, सागर वर्ष 2014 के लिये सागर जिले के अंतर्गत निम्नलिखित तारीखों को पूरे जिले के लिये स्थानीय अवकाश एवं मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, भोपाल के परिपत्र क्रमांक-एम-03/20/83/1/4, दिनांक 24 जून, 1983 द्वारा प्रदान की गई अनुमति के आधार पर डॉ. हरिसिंह गौर जयन्ती का विशेष अवकाश केवल सागर नगर के लिये घोषित करता हूँ :—

क्र.	अवकाश का दिनांक	अवकाश का दिन	पर्व/त्यौहार
1.	21 मार्च, 2014	शुक्रवार	रंग-पंचमी
2.	07 अप्रैल, 2014	सोमवार	दुर्गा महाअष्टमी
3.	24 अक्टूबर, 2014	शुक्रवार	दीपावली का दूसरा दिन
4.	26 नवम्बर, 2014	बुधवार	डॉ. हरिसिंह गौर जयन्ती (विशेष अवकाश, केवल सागर नगर के लिये)

उपरोक्त स्थानीय अवकाश कोषालय/उप-कोषालय को लागू नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त उक्त अवकाश लोक सेवा गारन्टी केन्द्रों के लिये भी लागू होंगे।

योगेन्द्र शर्मा,
कलेक्टर।

(183)

निविदा सूचनाएं

बड़वानी, दिनांक 04 मार्च, 2014

क्र./डाईट/2014/665.—जिला चिकित्सालय, बड़वानी के उपयोग हेतु अपेक्षित निम्नलिखित खाद्य सामग्री “अ”, “ब”, “स” “द” वर्ग के लिये दिनांक 01 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक प्रदाय करने बाबत् निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं विभिन्न वर्गों के लिए पृथक्-पृथक् सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत की जाना है।

निविदाएं अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 20 मार्च, 2014 तक दिन के 3.00 बजे तक पहुँच जाना चाहिए। निर्देशित दिनांक एवं समय पश्चात् निविदा ग्रहण नहीं की जावेगी।

खाद्य सामग्री की सूची एवं निविदा से सम्बन्धित शर्तें दिनांक 19 मार्च, 2014 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा फॉर्म की राशि पृथक्-पृथक् वर्ग के लिए रुपये 260/- शासकीय कोषालय में शीर्ष मद “0210 मेडिकल व अन्य प्राप्तियां” में चालान से जमा की जाना होगा। निविदा फॉर्म दिनांक 19 मार्च, 2014 तक कार्यालयीन समय में वितरित किये जावेंगे।

निविदा की शर्तें

1. निविदा फॉर्म 250/- रुपये प्रति फॉर्म एवं निविदा का लिफाफा रुपये 10/- प्रति नग की दर से कुल रुपये 260/- की राशि चालान द्वारा शीर्ष हेड 0210 मेडिकल अन्य प्राप्तियां (खाद्य पदार्थ निविदा हेतु) जमा किये जाकर चालान की प्रति प्रस्तुत करने पर कार्यालयीन समय में किसी भी कार्य दिवस को प्राप्त किये जा सकेंगे। निविदा फॉर्म दिनांक 20 मार्च, 2014 से एक दिन पूर्व तक ही दिये जावेंगे।
2. वार्षिक निविदा में दर्शाई वस्तुओं के भाव 01-04-2014 से 31-03-2015 तक या अगले वर्ष का ठेका स्वीकृत होने तक जो भी प्रथम हो, वैध रहेंगे।
3. निविदाएं खण्डवार पृथक्-पृथक् लिफाफे में प्रस्तुत करना होंगी।
4. निविदा में उल्लेखित सभी वस्तुएं शासकीय/अद्वशासकीय संस्थाओं द्वारा प्रदाय न करने की स्थिति में ही निविदाकार से क्रय की जावेगी।
5. खाद्यान्व वस्तुओं की गुणवत्ता औसत स्तर की होनी चाहिए।
6. दो प्रतिशत बयाने की राशि बैंक ड्राफ्ट/राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र/सावधि जमा (एफ.डी.आर.) के रूप में मान्य होगी। नगद राशि स्वीकार नहीं की जावेगी। बैंक ड्राफ्ट/राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र/सावधि जमा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, बड़वानी के नाम से देय होगा।
7. उन्हीं निविदाकारों की निविदा स्वीकृत होगी जो वाणिज्यिक विभाग में पंजीबद्ध होंगे। वाणिज्यिक विभाग का पंजीकरण प्रमाण-पत्र की छाया प्रति संलग्न करें। व्यापारी को टिन नं. प्रस्तुत करना होगा।
8. प्रथम खण्ड में उल्लेखित सामग्री के नमूने निविदाकार को निविदा प्रस्तुत करने के पूर्व प्रस्तुत करना होंगे। निविदा फॉर्म में नमक, तेल के ब्रान्ड, नामों का उल्लेख सामग्री के नाम के साथ किया जाना आवश्यक है। स्वीकृत ब्रान्ड ही क्रय किया जावेगा। नमूने प्राप्त न होने अथवा सामग्री के नाम के साथ ब्रान्ड नामों का उल्लेख न होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। नमूना 500-500 ग्राम के पारदर्शी पैक में समान गुणवत्ता वाले दो-दो पैक में फर्म का नाम लिखकर प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
9. सामग्री के भुगतान के समय नियमानुसार आयकर व वेट टैक्स काटा जावेगा। भुगतान हेतु बैंकर्स चैक पर बैंक का कमीशन व्यापारी से ही काटा जावेगा।
10. निविदाकार को वस्तुओं के भाव अंकों एवं शब्दों में लिखना होगा। काट-चांट एवं ओवर राइटिंग मान्य नहीं होगा।
11. निविदाकार को माल की डिलेवरी माँगपत्र अनुसार निविदाकार को चिकि. की भोजनशाला पर देनी होगी।
12. सर्वानुसार निविदा मान्य नहीं होगी।
13. निविदाएं कार्यालय में उपस्थित निविदाकारों एवं सदस्यों की उपस्थिति में दिनांक 20 मार्च, 2014 को सायंकाल 5.00 बजे खोली जावेगी। दिनांक व समय के परिवर्तन की सूचना निविदाकारों को पृथक् से सूचना दी जावेगी।
14. सीलबन्द निविदा, नमूने, ठेके की लागत के 02 प्रतिशत के हिसाब से बयाने की रकम एवं अन्य आवश्यक सहपत्रों सहित इस कार्यालय में निविदा खुलने की दिनांक को दोपहर 3.00 बजे तक अथवा इसके पूर्व पहुंच जाना चाहिए। डाक से भेजी गई निविदाएं भी मान्य होंगी। यदि वे निर्धारित तिथि को निर्धारित समय तक कार्यालय में उपरोक्त शर्तों के अधीन प्राप्त हो जाने पर।
15. सफल निविदाकार को निविदा में लेख रकम के बराबर का शोध क्षमता प्रमाण-पत्र की मूल प्रति या सफल निविदाकार शोध क्षमता प्रमाण-पत्र के स्थान पर निविदा की रकम के 10% तक नगद प्रतिभूति दे सकेगा। जिसमें निविदा के साथ-साथ दो प्रतिशत बयाने की रकम भी शामिल होगी। प्रतिभूति की राशि सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के नाम से देय होगी।
16. जिस निविदाकार की निविदा भण्डार क्रय समिति द्वारा स्वीकार करने की अनुशंसा की गई हो उसे तत्काल करारनामा भरना होगा। जिसकी एक प्रति कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।
17. निविदा में दर्शाई गई माल की मात्रा अनुमानित है। आवश्यकता पड़ने पर माल की मात्रा कम या अधिक की जा सकेगी। माल प्रदायगी स्वीकृत ट्रेड मार्क अथवा निर्माता का नाम या नमूने के अनुसार करनी होगी। यदि कोई भी सामग्री उपरोक्तानुसार न होने

- पर स्वीकार नहीं की जावेगी। अस्वीकृत माल निविदाकार को अपने व्यय से तुरन्त वापस ले जाकर नमूने अनुसार माल प्रदाय करना होगा। प्रदाय न करने पर खुले बाजार से माल क्रय किया जावेगा।
18. अस्वीकार की गई वस्तु व्यापारी को भोजनशाला के गेट से स्वयं के व्यय पर निर्धारित समय में वापस ले जानी होगी। अन्यथा वस्तु की नीलामी कर दी जावेगी। नीलामी में प्राप्त राशि में से नीलामी का खर्च काटकर शेष राशि व्यापारी को प्रदाय की जावेगी।
 19. माँगपत्र के अनुसार माल की प्रदायगी माँगपत्र प्राप्ती के तीन दिवस में न होने पर माल की खरीदी खुले बाजार से की जावेगी जिस पर शासन को हुए अधिक व्यय की वसूली ठेकेदार को देय किसी भी रकम से ली जा सकेगी। यह वसूली भू-राजस्व के बकाया के रूप में या उसकी जमा प्रतिभूति राशि में से की जा सकेगी। वसूली के कारण प्रतिभूति राशि में कमी होने पर ठेकेदार को प्रतिभूति राशि में हुई कमी को पूरा करने के लिए सूचना दी जावेगी। सूचना प्राप्त होने के 07 दिवस के भीतर ठेकेदार कमी को पूरा करेगा। इस शर्त को यदि निविदाकार द्वारा माह में 3-4 बार औसत वर्ष में 40 बार उल्लंघन किया जाता है तो उसको भविष्य के लिए विभाग में निविदाएं प्राप्त करने के लिए ब्लेक लिस्टेड करने हेतु कार्यवाही की जावेगी।
 20. प्रत्येक निविदाकार को निम्न जानकारी सीलबन्द लिफाफे के ऊपर देना अनिवार्य है:-
 अ. निविदा वर्ष.....
 ब. खण्ड का नाम.....
 स. दो प्रतिशत बयाने की रकम हेतु बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर/राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र संलग्न है अथवा नहीं। यदि है तो उसका क्रमांक.....दिनांक.....राशि.....लिखें।
 द. प्रस्तुत किये गये नमूनों की संख्या लिखें.....
 इ. नवीनतम विक्रय कर निष्कासन प्रमाण-पत्र है अथवा नहीं.....
 ई. वाणिज्य का पंजीयन प्रमाण-पत्र है या नहीं।
 उ. खाद्य पदार्थ के विक्रय हेतु नगरपालिका निगम की चालू वर्ष की अनुशासि एवं नियम में व्यापारी के पंजीकृत प्रमाण-पत्र की छायाप्रति संलग्न है अथवा नहीं।
 ऊ. सब्जी के लिए कृषि मण्डी समिति का चालू वर्ष का प्रमाण-पत्र की छाया प्रति संलग्न है अथवा नहीं।
 21. गेहूँ, चावल, शक्कर आदि शासकीय संस्थाओं से प्राप्त न होने पर निविदाकार से क्रय की जावेगी।
 22. समस्त पूर्तियां समझौते के अनुसार किश्तों में आवश्यकतानुसार दैनिक/साप्ताहिक/पार्श्वीक/मासिक इन्डेड के आधार पर चिकित्सालय की भोजनशाला पर करनी होगी।
 23. निविदा में उल्लेखित सामग्री सम्बन्धित / प्रभारी अधिकारी द्वारा जारी मांग पत्रों के अनुसार प्रदाय करना होगी। देयकों का भुगतान भी सम्बन्धित विभाग द्वारा ही किया जावेगा।
 24. निविदा फॉर्म एवं निविदा से सम्बन्धित सभी दस्तावेज निविदा फॉर्म के साथ दिये गये निर्धारित लिफाफे जो कि अधोहस्ताक्षरकर्ता की मुद्रा एवं हस्ताक्षर द्वारा प्रमाणित हो में रखे जावे अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
 25. ठेकेदार द्वारा प्रदाय वस्तुएं नमूनों से मेल खायेंगी तथा स्वास्थ्यप्रद एवं साफ होगी। वो कूड़ा-कंकड़, मिट्टी, पत्थर या अन्य विजातीय वस्तुओं, कीड़े, मकोड़ों और घुन से मुक्त होगी तथा उपयोग योग्य होगी।
 26. निविदा में जो दरें प्रस्तुत की जावें वे समस्त करें सहित होना चाहिए पृथक् से कोई कर देय नहीं होगा।
 27. नमूने का चयन एवं माल का मिलान नमूने के मुताबिक होने या न होने की घोषणा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा की जावेगी जो मान्य होगी।
 28. सब्जियाँ साफ-खच्छ एवं ताजी प्रदाय करना होगी जो प्रतिदिन प्रातः 07 से 09 बजे तक अनिवार्य रूप से जिला चिकित्सालय के किचन तक पहुँचानी होगी। निर्धारित समय तक सब्जियाँ प्राप्त न होने पर मरीजों को भोजन व्यवस्था बनाये रखने के लिए खुले बाजार से सब्जियाँ क्रय की जावेगी एवं विलम्ब से भेजी गई सब्जियाँ वापस कर दी जावेगी जिसके लिए ठेकेदार स्वयं उत्तर दायी होंगे।
 29. बिलों के भुगतान में विलम्ब होने के कारण वस्तुओं का प्रदाय रोकने का अधिकार ठेकेदार को नहीं होगा।
 30. निविदा तथा करानामे के अनुसार पूर्ति के सम्बन्ध में सभी विवादों हेतु न्याय क्षेत्र बड़वानी होगा।

अमरसिंह विश्नार,

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,
जिला बड़वानी।

न्यायालयों की सूचनाएँ

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, सार्वजनिक न्यास, अनुविभाग-सोनकच्छ, जिला देवास

प्र. क्र. 01/बी-113 (1)/2013-14.

दिनांक 20 फरवरी, 2014 को जारी

प्रारूप-चार

[मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-5 (2) एवं

मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास नियम, 1962 के नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

जैसाकि सूरज सिंह यादव ने अनुसूची में दर्शित न्यास/संपत्ति को सार्वजनिक न्यास के रूप में पंजीयन करने हेतु मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 के अन्तर्गत एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है। एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त आवेदन-पत्र पर मेरे द्वारा न्यायालय में दिनांक 21 मार्च, 2014 को विचार किया जाएगा।

2. उक्त ट्रस्ट के कार्य अथवा संपत्ति से कोई व्यक्ति यदि हित रखता हो और कोई आपत्ति या सुझाव देना चाहता हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशन होने के एक माह के भीतर लिखित विवरण दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकता है और वह स्वयं अथवा अधिवक्ता/अभिकर्ता के माध्यम से मेरे समक्ष उपस्थित हो सकता है। समयावधि के समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

अनुसूची

सार्वजनिक न्यास का नाम	..	देवी उद्घकेशी सांस्कृति सेवा न्यास.
पता	..	ग्राम ओड, तहसील सोनकच्छ, जिला देवास
चल सम्पत्ति	..	निरंक
अचल सम्पत्ति	..	निरंक.

अंजली जोसफ,
अनुविभागीय अधिकारी।

(176)

न्यायालय रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, इन्दौर

(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

श्री गुलाबचंद पारमार्थिक ट्रस्ट कार्यालय 11, सरजूप्रसाद मार्ग, इन्दौर की ओर से श्री आनंद पिता गोकुलदास, निवासी-50, गुलमोहर कॉलोनी, इन्दौर द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्यार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	श्री गुलाबचंद पारमार्थिक ट्रस्ट.
कार्यालय	:	11, सरजूप्रसाद मार्ग, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रुपये 1,00,000/- (रु. एक लाख मात्र).

आज दिनांक 01 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(177)

(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

श्री वर्द्धमान सौभाग्य ललितकृपा श्रीमती दमयन्ती यशपाल उषा कौशल चेरिटेबल ट्रस्ट, कार्यालय 34, अनुराग नगर, प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे, इन्दौर की ओर से श्री सिद्धार्थ सिसौदिया, निवासी-3, मिश्र नगर, इन्दौर द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वर्यं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्यार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	श्री वर्द्धमान सौभाग्य ललितकृपा श्रीमती दमयन्ती यशपाल उषा कौशल चेरिटेबल ट्रस्ट
कार्यालय	:	34, अनुराग नगर, प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे, इन्दौर मध्यप्रदेश।
अचल सम्पत्ति	:	निरंक।
चल सम्पत्ति	:	रुपये 5,01,904/- (रुपये पाँच लाख एक हजार नौ सौ चार मात्र) बैंक में सावधी जमा तथा रुपये 555/- नकद।

आज दिनांक 01 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(177-A)

(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

सर्वजन सुखी पारमार्थिक न्यास, कार्यालय 15, क्लर्क कॉलोनी, इन्दौर की ओर से श्रीमती प्रेमलता मून्दडा, निवासी-15, क्लर्क कॉलोनी, इन्दौर द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वर्यं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्यार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	सर्वजन सुखी पारमार्थिक न्यास
कार्यालय	:	15, क्लर्क कॉलोनी, इन्दौर।
अचल सम्पत्ति	:	निरंक।
चल सम्पत्ति	:	रुपये 1,100/- (रुपये एक हजार एक सौ मात्र)

आज दिनांक 03 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(177-B)

(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

श्री गुरुदेव नित्यानंद बाबा ट्रस्ट, कार्यालय 105-एस, सिलीकॉन सिटी, ए. बी. रोड, राऊ, इन्दौर की ओर से यहि विनय सागर पिता स्व. चांदमल, निवासी—105-एस, सिलीकॉन सिटी, ए. बी. रोड, राऊ, इन्दौर द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिषिष्ठ में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अधिभाषक अथवा अधिकृत मुख्यार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

परिषिष्ठ

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	श्री गुरुदेव नित्यानंद बाबा ट्रस्ट,
कार्यालय	:	105 -एस, सिलीकॉन सिटी, ए. बी. रोड, राऊ, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रुपये 1,111/- (रुपये एक हजार एक सौ ग्यारह मात्र)

आज दिनांक 03 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

विजय कुमार अग्रवाल,

रजिस्ट्रार।

(177-C)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी/पंजीयक, पब्लिक ट्रस्ट, बरेली, जिला रायसेन

[धारा-5 (2) मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (30 सन् 1951 और 5 (1) मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट, 1962 के अन्तर्गत]

मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि अनुसूची में दिये गये जायदाद मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1951 की धारा उप-धारा (4) के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट है।

अतएव मैं, संजय कुमार श्रीवास्तव, पंजीयक, ट्रस्ट उक्त एक्ट की धारा-5 की उपधारा (1) के अनुसार अपने न्यायालय में दिनांक 03 फरवरी, 2014 इस मामले की जांच करना चाहता हूँ।

अतः यह सूचना दी जाती है कि निम्नांकित ट्रस्ट का कोई व्यक्ति, ट्रस्ट की कार्यवाही में सदस्य या अन्य कोई व्यक्ति सूचि रखने वाला आपत्ति या सुझाव प्रकट करना चाहता है तो लिखित उत्तर दो प्रतियों में सूचना प्रकाशन की एक माह की अवधि के अन्दर प्रस्तुत करें और उपरोक्त दिनांक को स्वयं या किसी अधिवक्ता या अधिकृत एजेन्ट द्वारा न्यायालय में उपस्थित हों। उपरोक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम व पता और चल/अचल संपत्ति का विवरण)

पब्लिक ट्रस्ट का नाम व पता : श्री राम जानकी मंदिर न्यास, मगरधा, तहसील बरेली, जिला रायसेन।

(1) कार्यकारी न्यासी एवं प्रबंधकों का विवरण—

- | | |
|---|---------------------|
| 1. श्री भूषण सिंह पटेल आ. श्री नर्वदा प्रसाद पटेल | अध्यक्ष एवं प्रबंधक |
| 2. श्री अजीत सिंह पटेल आ. श्री रामसिंह पटेल | उपाध्यक्ष |

3.	श्री भूषण प्रसाद शर्मा आ. श्री द्वारका प्रसाद शर्मा	कोषाध्यक्ष
4.	श्री लालजीराम लिलोरिया आ. श्री पन्नालाल	सचिव
5.	श्री ओंमकार सिंह चौधरी आ. श्री काशीराम चौधरी	उपाध्यक्ष
6.	श्री ईश्वरदत्त शर्मा आ. श्री राजावीर शर्मा	सदस्य
7.	श्री धनीराम पटेल आ. श्री छोटेलाल पटेल	सदस्य
8.	श्री प्रहलाद सिंह चौधरी आ. श्री छोटेलाल पटेल	सदस्य
9.	श्री सुजान सिंह मीना आ. श्री प्रेमनारायण मीना	सदस्य
10.	श्री धनसिंह मीना आ. श्री छोटेलाल मीना	सदस्य
11.	श्री भोजराज पनारिया आ. श्री साहब सिंह पनारिया	सदस्य
12.	श्री राम गोदर आ. श्री अमर सिंह गोदर	सदस्य
13.	श्री भगवत सिंह आ. श्रीलालराम खेरेवरे	सदस्य
1.	न्यासधारी या प्रबंधक के उत्तराधिकार की नीति न्यास विलेख के अनुसार रहेगी।	
2.	न्यास सृजित करने वाले दस्तावेजों के ब्यौरे संलग्न दस्तावेज के अनुसार रहेंगे।	
3.	न्यास के संबंध में यदि कोई स्कीम हो तो उसके ब्यौरे संलग्न दस्तावेज न्यास विलेख के अनुसार रहेंगे।	

(अ) अचल सम्पत्ति का विवरण :—

- कृषि भूमि स्थित ग्राम मगरधा प. ह. नं. 45, तहसील बरेली, जिला रायसेन, म. प्र. खसरा क्र. 7, 10, 32/2, 36/1, 22/2, 149/1, 268/4, 281/4 कुल 8 कितना रकबा क्रमशः 0.37, 1.52, 1.00, 1.00, 0.40, 0.55, 1.00, 2.86 कुल रकबा 8.70 एकड़ कुल लगान 22.74 पैसा जो वर्तमान में श्री रामजानकी मंदिर मगरधा सरवराहकार भूषण सिंह आ. नर्वदा प्रसाद, ओंमकार सिंह आ. काशीराम, अजीत सिंह आ. रामसिंह गूजर सभी निवासी मगरधा के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हैं।
- यहकि ग्राम मगरधा, तहसील बरेली, जिला रायसेन, म. प्र. में आबादी भूमि में 40×40 वर्गफीट का एक प्लाट
- यहकि ग्राम मगरधा, तहसील बरेली, जिला रायसेन, म. प्र. में आबादी भूमि जो सुन्दरलाल की भूमि से लगी 90 फिट, उत्तर में—पूर्व से पश्चिम लंबाई आम रास्ता से लगी 42 फिट, दक्षिण में—पूर्व से पश्चिम लंबाई मंगल खां की भूमि से लगी 25 फिट, जिसमें मंदिर तथा भोजन कक्ष तथा कवेलू वाला मकान बना है।
- यहकि ग्राम मगरधा, तहसील बरेली, जिला रायसेन, म. प्र. में आबादी भूमि के पूर्व में—उत्तर से दक्षिण लंबाई 51 फिट, पश्चिम में उत्तर से दक्षिण लंबाई 52 फिट, उत्तर में—पूर्व से पश्चिम लंबाई आम रास्ता से लगी 41 फिट, दक्षिण में—पूर्व से पश्चिम लंबाई रामजानकी मंदिर से लगी 41 फिट जिस पर मंदिर नव निर्माण प्रगति पर है।

(ब) चल सम्पत्ति का विवरण :—

- मूर्तियां—रामजी, सीता जी, लखन जी, राधा जी, कृष्ण जी एक-एक एवं गणेश जी, पार्वती जी तीन-तीन, शिवलिंग, कार्तिकेय जी, नंदीश्वर, सर्प, शिवालय, हनुमान जी मूर्तियां दो-दो।
- मुकुट 4 बड़े वजन 800 ग्राम एवं दो छोटे वजन साडे बाईस ग्राम व छत्र एक वजन साडे बाईस ग्राम सभी चांदी के।
- अन्य सामान—शंख एक, विजय घण्टा कासे का, झालर पीतल की दो, माईक मशीन आहूजा एक, ग्रामोफोन स्टेण्ड दो, चोगा दो मय यूनिट, हारमोनियम, ढोलक, झाँझे चार जोड़ी कांसे की, चमीटा, पीतल का घण्टा, तिजोरी, तांबे का घण्टा, कासोट घण्टा पीतल, तलख लकड़ी का ज्योति थाली पीतल, बाल्टी स्टील, लोटा तांबे का, थाली स्टील, परात तांबे का हैंड पम्प, महासागर एवं एक हार्सपावर मोटर, गरुड़ घंटी, सिंहासन पीतल का 3×3 फिट का, सीलिंग फेन हैं।

(2) न्यास की आय के स्रोत—

न्यास की प्रमुख आमदनी का स्रोत कृषि आय एवं न्यासी सदस्यों एवं दानदाताओं द्वारा दान की गई धनराशि है। इसके अतिरिक्त न्यास शासन, प्रदेश केन्द्र निगमित निकाय एवं अन्य किसी सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं से अनुदान प्राप्त करेगा।

न्यास से संबंधित विलेख प्रपत्र का विवरण और उस पर कब्जा रखने वाले न्यासधारियों का नाम व पता

न्यास में उपरोक्त वर्णित भूमि कुल रकबा 8.70 एकड़ ग्राम मगरथा, तहसील बरेली, जिला रायसेन, जिनकी खसरा, किस्तबंदी खतौनी व नकशा की पटवारी द्वारा प्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न है।

उक्त मंदिर तथा उसकी सम्पादित को ट्रस्ट के लिये आवेदक भूषण सिंह पटेल धाकड़ प्रमुख न्यासी एवं अध्यक्ष, तहसील बरेली, जिला रायसेन।

1.	श्री भूषण सिंह पटेल आ. श्री नर्वदा प्रसाद पटेल	अध्यक्ष एवं प्रबंधक
2.	श्री अजीत सिंह पटेल आ. श्री रामसिंह पटेल	उपाध्यक्ष
3.	श्री भूषण प्रसाद शर्मा आ. श्री द्वारका प्रसाद शर्मा	कोषाध्यक्ष
4.	श्री लालजीराम लिलोरिया आ. श्री पन्नालाल	सचिव
5.	श्री ओंमकार सिंह चौधरी आ. श्री काशीराम चौधरी	उपाध्यक्ष
6.	श्री ईश्वरदत्त शर्मा आ. श्री राजावीर शर्मा	सदस्य
7.	श्री धनीराम पटेल आ. श्री छोटेलाल पटेल	सदस्य
8.	श्री प्रहलाद सिंह चौधरी आ. श्री छोटेलाल पटेल	सदस्य
9.	श्री सुजान सिंह मीना आ. श्री प्रेमनारायण मीना	सदस्य
10.	श्री धनसिंह मीना आ. श्री छोटेलाल मीना	सदस्य
11.	श्री भोजराज पनारिया आ. श्री साहब सिंह पनारिया	सदस्य
12.	श्री राम गोदर आ. श्री अमर सिंह गोदर	सदस्य
13.	श्री भगवत सिंह आ. श्रीलालराम खेरेवारे	सदस्य

उक्त प्रस्तावित न्यास के सदस्यों/प्रबंधकों के सम्बन्ध में भी यदि किसी को आपत्ति हो वह दिनांक 03-03-2014 को अथवा उसके पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकता है।

(3) **औसत वार्षिक आय—1,75,000/- रुपये (अक्षरी एक लाख पचहत्तर हजार रुपये प्रतिवर्ष)**

(4) **औसत वार्षिक आय**

(5) **न्यासी एवं प्रबंधकों का वेतन—**

न्यासी एवं प्रबंधक अवैतनिक रूप से कार्य करेंगे किन्तु न्यास के सदस्यों को कार्य यात्रा भत्ता न्यास के खाते से भुगतान किया जावेगा।

1. स्थापना एवं कर्मचारियों पर व्यय,
2. धार्मिक उद्देश्यों पर व्यय,
3. सहायतार्थ व्यय :—वर्तमान में लागू नहीं,
4. अन्य मदों पर व्यय :—वर्तमान में लागू नहीं।

5. अन्य विवरण : न्यास की सदस्यता प्रबंधकारकों का गठन, उद्देश्य, दैनिक कार्यों की देखरेख, वित्तीय कार्यों की देखरेख, पदाधिकारियों के अधिकार व कर्तव्य से संबंधित है।

उक्त प्रस्तावित न्यास के सदस्यों/प्रबंधकों के सम्बन्ध में भी यदि किसी को आपत्ति हो वह दिनांक 03-03-14 को अथवा उसके पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकता है।

संजय कुमार श्रीवास्तव,
उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मंजिस्ट्रेट।

न्यायालय पंजीयक, लोक न्यास, जबलपुर

राजस्व प्र. क्र. 1/बी-113/1/13-14.

प्रारूप-4

[नियम 5 (1) देखिये]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-5 (2) एवं मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1962 के नियम 5 (1) के अंतर्गत]

चूंकि रविनंदन सिंह, निवासी 407, साउथ सिविल लाइंस, जबलपुर द्वारा श्री सांई सेवा ट्रस्ट” के पंजीयन हेतु मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 के अधीन नीचे अनुसूची में दर्शाई गई संपत्ति लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट कर पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 18 फरवरी, 2014 को विचार के लिए नियत किया गया है। कोई भी व्यक्ति उक्त न्यास या संपत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुशाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत कर सकता है अथवा उक्त दिनांक को न्यायालय में मेरे समक्ष स्वयं या अभिभाषक या अधिकारी के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिये ग्राह्य नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

(लोक न्यास की संपत्ति का विवरण, लोक न्यास का नाम और पता)

1. लोक न्यास का नाम : “श्री सांई सेवा ट्रस्ट, जबलपुर”
2. चल सम्पत्ति : यूको बैंक, नवयुग कॉलेज ब्रांच में जमा रुपये 11,000.00 (अंकेन ग्यारह हजार मात्र)
3. अचल सम्पत्ति : कुछ नहीं।

संजय जैन,
पंजीयक।

(187)

अन्य सूचनाएं

कार्यालय वन संरक्षक, सामान्य वनमण्डल, खण्डवा

खण्डवा, दिनांक 12 नवम्बर, 2013

आ. क्र./मा.चि./2013/806.—सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न में दर्शाया गया मार्किंग हेमर वन परिक्षेत्र बलड़ी सा. को चालान नं. 1110, दिनांक 13 मई, 1993 द्वारा जारी किया गया था। जो कक्ष क्र. 392 में आर. डी. एफ. कार्य करते समय गुम हो गया था। जिसकी तलाश किये जाने पर उक्त हेमर प्राप्त नहीं हो सका। श्री कैलाशचन्द्र सोलंकी व. र. के प्रभार में दिया गया था जिनका वर्तमान में स्वर्गवास हो चुका है। वन परिक्षेत्राधिकारी सा. बलड़ी के पत्र क्र./1083, दिनांक 26 अक्टूबर, 2013 द्वारा सूचित किया गया कि, तात्पर्य से श्री कैलाशचन्द्र सोलंकी व. र. को परिक्षेत्राधिकारी द्वारा दिया गया था जो वनमण्डल के चालान नंबर 1110 दिनांक 13 मई, 1993 हेमर रजिस्टर पेज नं. क्र. 192 के माध्यम से प्रदाय किया गया था।

अतः वन वित्तीय नियम 124 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त हेमर वनमण्डल स्टॉक से अपलेखित किया जाता है। इस विज्ञप्ति के फलस्वरूप किसी भी कार्य में उक्त हेमर का अनाधिकृत रूप से रखने अथवा उपयोग करना पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार दण्ड की कार्यवाही की जावेगी। यदि किसी व्यक्ति को उक्त हेमर मिला तो वह निकटतम थाने या वन विभाग के कार्यालय में तत्काल जमा करे या सूचना देवें।

उक्त गुमशुदा हेमर की बाजार दर से कीमत 844/- (रुपये आठ सौ चावालीस) एक मुश्त श्री कैलाशचन्द्र सोलंकी, व. र. के देय स्वत्वों से चालान द्वारा जमा करने का आदेश दिया जाता है।

संजय कुमार शुक्ला,
वनसंरक्षक।

(170)

**कार्यालय संचालक, वाष्पयंत्र एवं अध्यक्ष, बॉयलर चालन इंजीनियर्स, परीक्षा मण्डल,
मध्यप्रदेश, इंदौर**

बॉयलर चालन इंजीनियर्स प्रवीणता प्रमाण-पत्र की परीक्षा जो विध्यांचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन, नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन, विध्यनगर, जिला सिंगरौली में दिनांक 08, 09 एवं 10 फरवरी, 2014 को सम्पन्न हुई में सफल घोषित किये गये परीक्षार्थियों की सूची बॉयलर चालन इंजीनियर्स नियम, 2011 के नियम 39 के अन्तर्गत प्रकाशित एवं विज्ञापित की जाती है :—

क्रमांक 1	नाम 2	स्थान 3
1.	श्री सौरभ सिंह	बिरसिंहपुर
2.	श्री कमलदीप शुक्ला	बिरसिंहपुर
3.	श्री अजीत टिग्गा	बिरसिंहपुर
4.	श्री रितेश मिश्रा	खोर
5.	श्री जयंत तिवारी	खोर
6.	श्री अरविंद कुमार राय	खलबुजुर्ग
7.	श्री जितेश पालीवाल	खोर
8.	श्री आलोक पाटीदार	खलबुजुर्ग
9.	श्री रामकृष्ण पटेल	खोर
10.	श्री गौरव सांघी	बुधनी
11.	श्री अरविन्द कुमार	बिरसिंहपुर
12.	श्री प्रवीण कुमार मेढ	खोर
13.	श्री तेजेन्द्र भाटिया	भोपाल
14.	श्री सत्यनारायण	विध्यनगर
15.	श्री अरूण पटेल	भोपाल
16.	श्री मनीष शर्मा	विध्यनगर
17.	श्री अमित कुमार	विध्यनगर
18.	श्री रिकेश बुधोलिया	गाडरवाडा
19.	श्री अयोध्या प्रसाद श्रीवास्तव	खोर
20.	श्री अभय कुमार सोनी	बिरसिंहपुर
21.	श्री सूरज कुमार पाण्डे	कोटपुतली (राज.)
22.	श्री विवेक सेवलानी	बिरसिंहपुर
23.	श्री आनंद सोनी	गाडरवारा
24.	श्री हिमांशु हिडाऊ	नारायणपुरा
25.	श्री सुधीर जोशी	खोर
26.	श्री शशांक जैन	बारमेर (राज.)
27.	श्री धन्वजय कुमार सिंह	विध्यनगर
28.	श्री अशोक कुमार तिवारी	विध्यनगर

(1)	(2)	(3)
29.	श्री अरविन्द कुमार श्रीवास्तव	विजयपुर
30.	श्री प्रेमपाल सिंह चौहान	विजयपुर
31.	श्री सुदेश कुमार चौधरी	विध्यनगर
32.	श्री जयशंकर	विजयपुर
33.	श्री साकेत कुमार	विध्यनगर
34.	श्री मुमताज हुसैन बादशाह	विजयपुर
35.	श्री मानस कपूर	सिंगरौली
36.	श्री शत्रुहन लाल साहू	सिंगरौली
37.	श्री मुनेश कुमार विश्वकर्मा	सिंगरौली
38.	श्री सुरेन्द्र सिंह कुशवाह	सिंगरौली
39.	श्री चन्द्रशेखर देवांगन	सिंगरौली
40.	श्री घनश्याम भीणा	विध्यनगर
41.	श्री पवन कुमार जैन	विजयपुर
42.	श्री वीरेन्द्र कुमार गौतम	सतना
43.	श्री दिनेश कुमार यादव	विध्यनगर
44.	श्री आजाद कुमार सिंह	सिंगरौली
45.	श्री ऋषु कुमार	हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
46.	श्री अवनीश कुमार द्विवेदी	रेणुकूट (उत्तर प्रदेश)
47.	श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव	कैमोर
48.	श्री रविराज सिंह	सतना
49.	श्री गोलेरियुश मुरमु	विध्यनगर
50.	श्री सुनील कुमार मिश्रा	चित्तौड़गढ़ (राज.)
51.	श्री बाजीराव चौहान	विजयपुर
52.	श्री प्रकाशनारायण साहू	बारमेर (राज.)
53.	श्री पंकज मिश्रा	बुधनी
54.	श्री प्रियेश गुप्ता	बारमेर (राज.)
55.	श्री कपिल वशिष्ठ	नागदा
56.	श्री सिद्धर्थ तिवारी	नागदा
57.	श्री अजय सिंह चौहान	मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)
58.	श्री मधुर शेरावत	सिंगरौली
59.	श्री संजय जैन	विजयपुर
60.	श्री अनुराग नायक	बारमेर (राज.)
61.	श्री तृप्तेश पण्डिया	उज्जैन
62.	श्री नितिन शर्मा	विध्यनगर
63.	श्री राहुल चौहान	चित्तौड़गढ़ (राज.)

(1)	(2)	(3)
64.	श्री अनिल मासीवाल	विजयपुर
65.	श्री प्रदीप कुमार रघुवंशी	विजयपुर
66.	श्री राजेन्द्र कुमार	विध्यनगर
67.	श्री स्वप्निल चन्द्रकांत	सौसर
68.	श्री अमित वर्धन	कैमोर
69.	श्री नरेन्द्र कुमार तिवारी	विध्यनगर
70.	श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव	कैमोर
71.	श्री देवेश जोशी	बिरसिंहपुर
72.	श्री राजकुमार परसेंदिया	नागदा
73.	श्री रमापति सरोज	चित्तौडगढ़ (राज.)
74.	श्री गुरुशरण चन्द्रेरिया	चित्तौडगढ़ (राज.)
75.	श्री प्रदीप कुमार राय	रेणुकूट (उ. प्र.)
76.	श्री अभिषेक चन्द्रवाडे	नागदा
77.	श्री सूर्य कुमार सिंह	नागदा
78.	श्री वैदप्रकाश पवार	नागदा
79.	श्री अरूण कुमार शर्मा	नागदा
80.	श्री राजेन्द्र पटेल	सौसर
81.	श्री मोहित यादव	विध्यनगर
82.	श्री अरूण कुमार सिंह	चित्तौडगढ़ (राज.)
83.	श्री शंभू सोनी	नागदा
84.	श्री नवीन सिंह	अमलाई
85.	श्री शैलेष सिंह चौहान	नागदा
86.	श्री पठान अनीस खान	बडवाह
87.	श्री आशुतोष पटनायक	कैमोर
88.	श्री शशिकांत चौबे	विध्यनगर
89.	श्री रंजीत सिंह धीमन	नागदा
90.	श्री गोविन्द राजु पी	बांसवाडा (राज.)
91.	श्री पुष्णेन्द्र कुमार शर्मा	बिरसिंहपुर
92.	श्री विकास कुमार यादव	अमृतसर (पंजाब)
93.	श्री सत्येन्द्र कुमार यादव	अमृतसर (पंजाब)
94.	श्री सौरभ रमनानी	अमृतसर (पंजाब)
95.	श्री बृहदत्त पाण्डे	ब्यावर (राज.)

पी. डी. दीक्षित,

अध्यक्ष.

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी

कटनी, दिनांक 16 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1519.—सर्वोदय मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, मोहास, पंजीयन क्र. 110, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1282/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

सर्वोदय मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, मोहास, पंजीयन क्र. 110, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी सर्वोदय मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, मोहास, पंजीयन क्र. 110, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी वि. गढ़ को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 16 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180)

कटनी, दिनांक 16 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1520.—इंदिरा गाँधी महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, सरसवाही, पंजीयन क्र. 1776, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1280/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

इंदिरा गाँधी महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, सरसवाही, पंजीयन क्र. 1776, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी इंदिरा गाँधी महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, सरसवाही, पंजीयन क्र. 1776, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, ढीमरखेड़ा को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 16 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-A)

कटनी, दिनांक 16 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1521.—तरूण संस्कार साग-सब्जी, फल-फूल उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पड़वार, पंजीयन क्र. 16, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1281/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

तरूण संस्कार साग-सब्जी, फल-फूल उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पड़वार, पंजीयन क्र. 16, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी तरूण संस्कार साग-सब्जी, फल-फूल उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पड़वार, पंजीयन क्र. 16, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, बहोरीबंद को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 16 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-B)

कटनी, दिनांक 17 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1522.—मांझी मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, सिनगौड़ी, पंजीयन क्र. 24, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1290/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

मांझी मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, सिनगौड़ी, पंजीयन क्र. 24, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी मांझी मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, सिनगौड़ी, पंजीयन क्र. 24, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, वि. गढ़ को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 17 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-C)

कटनी, दिनांक 17 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1523.—आदिवासी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, पौनिया, पंजीयन क्र. 1733, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1284/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

आदिवासी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, पौनिया, पंजीयन क्र. 1733, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी आदिवासी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, पौनिया, पंजीयन क्र. 1733, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, ढीमरखेड़ा को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 17 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-D)

कटनी, दिनांक 17 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1524.—मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, उमरियापान, पंजीयन क्र. 460, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1283/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, उमरियापान, पंजीयन क्र. 460, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, उमरियापान, पंजीयन क्र. 460, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, द्वीमरखेड़ा को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 17 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-E)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

जय श्रीराम ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 42, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1286/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

जय श्रीराम ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 42, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी जय श्रीराम ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 42, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 18 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-F)

कटनी, दिनांक 19 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1532.—शिवम प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 100, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1275/कटनी, दिनांक 30 सितम्बर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

शिवम प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 100, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से

उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था शिवम प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 100, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 19 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-G)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

रानी लक्ष्मी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 1023, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1288/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

रानी लक्ष्मी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 1023, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था रानी लक्ष्मी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 1023, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 19 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-H)

कटनी, दिनांक 27 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1554.—सार्व प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 92, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1278/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

सार्व प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 92, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था सार्व प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 92, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 27 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-I)

कटनी, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1541.—लक्ष्मी नारायण प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 88, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1285/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

लक्ष्मी नारायण प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 88, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेचित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था लक्ष्मी नारायण प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 88, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-J)

कटनी, दिनांक 24 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1542.—श्री गणेश प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 91, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1289/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

श्री गणेश प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 91, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेचित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था श्री गणेश प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 91, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-K)

कटनी, दिनांक 26 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1546.—जागृति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, हीरापुर कौंडिया, पंजीयन क्र. 32, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1279/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

जागृति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, हीरापुर कौंडिया, पंजीयन क्र. 32, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी

अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था जागृति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, हीरापुर कौंडिया, पंजीयन क्र. 32, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-L)

कटनी, दिनांक 26 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1547.—बारडोली प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 99, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1269/कटनी, दिनांक 30 सितम्बर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

बारडोली प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 99, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी बारडोली प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 99, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-M)

कटनी, दिनांक 27 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1552.—नेहरू प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 940, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1271/कटनी, दिनांक 30 सितम्बर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

नेहरू प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 940, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था नेहरू प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 940, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 27 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-N)

कटनी, दिनांक 27 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1553.—स्वाती प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 68, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1277/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

स्वाती प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 68, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था स्वाती प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 68, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 27 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-O)

कटनी, दिनांक 30 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1561.—अब्दुल हमीद प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, बरही, पंजीयन क्र. 75, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1287/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

अब्दुल हमीद प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, बरही, पंजीयन क्र. 75, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था अब्दुल हमीद प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार मर्यादित, बरही, पंजीयन क्र. 75, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, बड़वारा को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 30 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-P)

कटनी, दिनांक 30 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1), (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

क्र./स.प.क./परि./2013/1562.—भाग्यवती ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 1589, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स.प.क./परि./2013/1292/कटनी, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 दिया गया था तथा जवाब देने के लिये 60 दिन की समयावधि दी गई थी।

भाग्यवती ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 1589, जिला कटनी अतः निर्धारित अवधि में संस्था की ओर से उक्त आरोपों का कोई भी उत्तर संस्था की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960

नियम 1962 एवं संस्था की उपविधि में वर्णित प्रावधानों का पालन करना बन्द कर दिया गया है तथा संस्था अकार्यशील एवं निष्क्रिय हो गई है ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, आर. पी. मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ/1999-पन्द्रह-एक/डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के द्वारा प्राप्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं। इस सम्बन्ध में आपकी संस्था भाग्यवती ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित, कटनी, पंजीयन क्र. 1589, जिला कटनी को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के तहत लेनदारी एवं देनदारी के निराकरण हेतु सहकारिता विस्तार अधिकारी, कटनी, को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 30 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(180-Q)

आर. पी. मिश्र,

सहायक आयुक्त (सहकारिता) .

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, ढीमरखेड़ा, जिला कटनी

कटनी, दिनांक 06 जनवरी, 2014

क्र./परि./2014/क्यू.—सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी के द्वारा परिसमापनाधीन निम्नानुसार उनके नाम के आगे आदेश क्र. एवं दिनांक द्वारा परिसमापक नियुक्त किया जाकर संस्थाओं की लेनदारी-देनदारी का निराकरण करते हुए अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	संस्था का नाम एवं पता	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परि. आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	इन्द्रा गांधी महिला बहुउद्देशीय सह. समिति मर्या., सरसवाही	1776/01-06-1998	1520/16-12-2013
2.	आदिवासी मछुआ सहकारी समिति, उमरियापान	460/13-07-1972	1524/17-12-2013
3.	आदिवासी मछुआ सहकारी समिति, पौनिया	1733/18-11-1999	1523/17-12-2013

अतः मैं, गीतेश कुमार मेहरा, सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश सहकारी अधिनियम, 1962 के नियम क्रमांक-57 के अन्तर्गत यह सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उपरोक्त सहकारी संस्थाओं के प्रति जिस किसी के पास कोई दावा/आपत्तियां या रिकार्ड या राशि लेनदारी/देनदारी शेष हो तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के दिनांक से दो माह के अन्दर (60 दिवस के अन्दर) मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी में उपस्थित होकर प्रमाण सहित लिखित में प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात दावे/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा संस्था के परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया जावेगा। यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संस्थाओं के भूतपूर्व या वर्तमान कर्मचारी/सदस्य के पास संस्था का कोई भी रिकार्ड/परिसम्पत्ति/नगदी हो तो उसे उक्त अवधि में मेरे पास जमा करा देवें। अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी।

(164)

गीतेश कुमार मेहरा,
सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी।

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला कटनी

कटनी, दिनांक 06 जनवरी, 2014

क्र./परि./2014/क्यू.—सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी के द्वारा परिसमापनाधीन निम्नानुसार उनके नाम के आगे आदेश क्र. एवं दिनांक द्वारा परिसमापक नियुक्त किया जाकर संस्थाओं की लेनदारी-देनदारी का निराकरण करने हेतु आदेशित किया गया है विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	संस्था का नाम एवं पता	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परि. आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	जय श्रीराम ईंधन आपूर्ति सह. समिति मर्या., कटनी	42/13-04-2006	1530/18-12-2013

1	2	3	4
2.	शिवम प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	100/31-08-2009	1532/19-12-2013
3.	रानी लक्ष्मी प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	1023/28-08-1993	1533/19-12-2013
4.	लक्ष्मी नारायण प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	88/17-06-2008	1541/14-12-2013
5.	श्री गणेश प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	91/26-12-2008	1542/24-12-2013
6.	श्री जागृति महिला बहुउद्देशीय सह. समिति मर्या., हीरापुर कौड़िया	32/03-11-2003	1546/26-12-2013
7.	बारडोली प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	99/13-08-2009	1547/26-12-2013
8.	नेहरू प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	940/23-01-1992	1552/27-12-2013
9.	स्वाति प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	68/18-12-2006	1553/27-12-2013
10.	साई प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., कटनी	92/29-12-2008	1554/27-12-2013
11.	भागवती ईंधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्या., कटनी	1589/04-04-1996	1562/30-12-2013

अतः मैं, शैलेष सिंह ठाकुर, सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश सहकारी अधिनियम, 1962 के नियम क्रमांक-57 के अन्तर्गत यह सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उपरोक्त सहकारी संस्थाओं के प्रति जिस किसी के पास कोई दावा/आपत्तियां या रिकार्ड या राशि लेनदारी/देनदारी शेष हो तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के दिनांक से दो माह के अन्दर (60 दिवस के अन्दर) मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी में उपस्थित होकर प्रमाण सहित लिखित में प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात दावे/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा संस्था के परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया जावेगा। यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संस्थाओं के भूतपूर्व या वर्तमान कर्मचारी/सदस्य के पास संस्था का कोई भी रिकार्ड/परिसम्पत्ति/नगदी हो तो उसे उक्त अवधि में मेरे पास जमा करा देवें। अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी।

शैलेष सिंह ठाकुर,

(167)

सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी।

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, बहोरीबंद, जिला कटनी

कटनी, दिनांक 06 जनवरी, 2014

क्र./परि./2014/क्यू.—सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी के द्वारा परिसमापनाधीन निम्नानुसार उनके नाम के आगे आदेश क्र. एवं दिनांक द्वारा परिसमापक नियुक्त किया जाकर संस्था की लेनदारी/देनदारी का निराकरण करते हुए अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	संस्था का नाम एवं पता	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परि. आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	तरुण संस्कार साग, सब्जी, फल-फूल उत्पादक सह. समिति, पड़वार	16/12-07-2001	1521/16-12-2013

अतः मैं, ए. एस. तोमर, सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश सहकारी अधिनियम, 1962 के नियम क्रमांक-57 के अन्तर्गत यह सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उपरोक्त सहकारी संस्था के प्रति जिस किसी के पास कोई दावा/आपत्तियां या रिकार्ड या राशि लेनदारी/देनदारी शेष हो तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के दिनांक से दो माह के अन्दर (60 दिवस के अन्दर) मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी में उपस्थित होकर प्रमाण सहित लिखित में प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात दावे/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा संस्था के परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया जावेगा। यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संस्था के भूतपूर्व या वर्तमान कर्मचारी/सदस्य के पास संस्था का कोई भी रिकार्ड/परिसम्पत्ति/नगदी हो तो उसे उक्त अवधि में मेरे पास जमा करा देवें। अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी।

ए. एस. तोमर,

(170)

सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी।

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, बड़वारा, जिला कटनी

कटनी, दिनांक 06 जनवरी, 2014

क्र./परि./2014/क्यू.—सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी के द्वारा परिसमापनाधीन निम्नानुसार उनके नाम के आगे आदेश क्र. एवं दिनांक द्वारा परिसमापक नियुक्त किया जाकर संस्था की लेनदारी-देनदारी का निराकरण करते हुए अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	संस्था का नाम एवं पता	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परि. आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	अब्दुल हमीद प्रा. उप. सह. भंडार मर्या., बरही	75/10-07-2007	1561/30-12-2013

अतः मैं, अरविन्द कुमार जैन, सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश सहकारी अधिनियम, 1962 के नियम क्रमांक-57 के अन्तर्गत यह सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उपरोक्त सहकारी संस्था के प्रति जिस किसी के पास कोई दावा/आपत्तियां या रिकार्ड या राशि लेनदारी/देनदारी शेष हो तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के दिनांक से दो माह के अन्दर (60 दिवस के अन्दर) मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी में उपस्थित होकर प्रमाण सहित लिखित में प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात दावे/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा संस्था के परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया जावेगा। यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संस्था के भूतपूर्व या वर्तमान कर्मचारी/सदस्य के पास संस्था का कोई भी रिकार्ड/परिसम्पत्ति/नगदी हो तो उसे उक्त अवधि में मेरे पास जमा करा देवें। अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी।

(181)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, विजयराघवगढ़, जिला कटनी

कटनी, दिनांक 02 जनवरी, 2014

क्र./परि./2014/क्यू.—सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, कटनी के आदेश क्रमांक/परि./13/1519, कटनी, दिनांक 16 दिसम्बर, 2013 द्वारा मुझे निम्न सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया जाकर संस्थाओं की लेनदारी-देनदारी का निराकरण करते हुए अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है विवरण निम्न है:—

क्र.	संस्था का नाम एवं पता	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परि. आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	सर्वोदय मछुआ सहकारी समिति मर्या., मुहास	110/24-10-2011	1519/16-12-2013
2.	मांझी मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्या., सिनगौड़ी	24/21-08-2002	1522/17-12-2013

अतः मैं, अरविन्द कुमार जैन, सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश सहकारी अधिनियम, 1962 के नियम क्रमांक-57 के अन्तर्गत यह सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उपरोक्त सहकारी संस्थाओं के प्रति जिस किसी के पास कोई दावा/आपत्तियां या रिकार्ड या राशि लेनदारी/देनदारी शेष हो तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के दिनांक से दो माह के अन्दर (60 दिवस के अन्दर) मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कटनी में उपस्थित होकर प्रमाण सहित लिखित में प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात दावे/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा संस्था के परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया जावेगा। यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संस्थाओं के भूतपूर्व या वर्तमान कर्मचारी/सदस्य के पास संस्था का कोई भी रिकार्ड/परिसम्पत्ति/नगदी हो तो उसे उक्त अवधि में मेरे पास जमा करा देवें। अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी।

(181-A)

अरविन्द कुमार जैन,
सहकारी निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी।

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला कटनी

कटनी, दिनांक 29 जनवरी, 2014

क्र.संपंक/परिसमापन/14/129.—आदिवासी श्रम ठेका कामगार सहकारी समिति मर्या., मेहगांव, पं. क्र. 6, दिनांक 05 अगस्त, 2000 को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/संपंक/परिसमापन/729, दिनांक 25 अक्टूबर, 2008 से परिसमापन में लाकर परिसमापक की नियुक्ति की थी।

परिसमापक द्वारा संस्था की समस्त लेनदारियों एवं देनदारियों का निराकरण कर संस्था का पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः मैं, रजनीश मिश्र, सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, कटनी मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-एक-डी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के द्वारा पंजीयक की शक्तियां जो मुझे वेष्ठित हैं, का प्रयोग करते हुए संस्था आदिवासी श्रम ठेका कामगार सहकारी समिति मर्या., मेहगांव, पं. क्र. 6, दिनांक 05 अगस्त, 2000 का पंजीयन निरस्त करता हूं एवं निगमित निकाय समाप्त किया जाता है।

यह आदेश आज दिनांक 29 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

रजनीश मिश्र,
सहायक पंजीयक।

(182)

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, पन्ना, जिला पन्ना

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन, 1352, दिनांक 04 अगस्त, 2011 के द्वारा ग्राम स्तरीय आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., हरसाघाट, तहसील अजयगढ़, जिला पन्ना, मध्यप्रदेश जिसका पंजीयन क्रमांक/ए.आर.पी.एन.ए./518, दिनांक 25 फरवरी, 2003 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री राजीव तिवारी, सहकारी निरीक्षक, को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अतः संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, जी. एस. आठिया, सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, पन्ना, जिला पन्ना, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक/एफ-5-1-99 पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझमें वेष्ठित हैं, का प्रयोग करते हुए, ग्राम स्तरीय आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्या., हरसाघाट, तहसील अजयगढ़, जिला पन्ना, मध्यप्रदेश का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगम निकाय (बॉडी कॉर्पोरेट) समाप्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 06 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(169)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1), (2) के अन्तर्गत]

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन, 1271 दिनांक 31 दिसम्बर, 2010 के द्वारा माँ लक्ष्मी कृषि उत्पादक सहकारी समिति मर्या., अमानगंज, तहसील गुनौर, जिला पन्ना, मध्यप्रदेश जिसका पंजीयन क्रमांक/ए.आर.पी.एन.ए./609, दिनांक 05 अक्टूबर, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री पी. के. मिश्रा, उप-अंकेक्षक, को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अतः संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, जी. एस. आठिया, सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, पन्ना, जिला पन्ना, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक/एफ-5-1-99 पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियां जो मुझमें वेष्ठित हैं, का प्रयोग करते हुए, माँ लक्ष्मी कृषि उत्पादक सहकारी समिति मर्या., अमानगंज, तहसील गुनौर, जिला पन्ना, मध्यप्रदेश का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगम निकाय (बॉडी कॉर्पोरेट) समाप्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 07 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(169-A)

जी. एस. आठिया,
सहायक पंजीयक।

कार्यालय उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, नरसिंहपुर

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/160.—कृपा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, सूखा खेरी, पंजीयन क्र. 38, दिनांक 24 अगस्त, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 11 जनवरी, 2014 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में कृपा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, सूखा खेरी, पंजीयन क्र. 38, दिनांक 24 अगस्त, 2011 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये सहकारिता, विस्तार अधिकारी, जनपद पंचायत, चीवली को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/161.—माँ रेवा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, खमरिया, पंजीयन क्र. 46, दिनांक 01 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 09 नवम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में माँ रेवा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, खमरिया, पंजीयन क्र. 46, दिनांक 01 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एस. पटेल, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-A)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/162.—शिवशक्ति बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, पुंआरिया, पंजीयन क्र. 83, दिनांक 28 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 09 नवम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में शिवशक्ति बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता,

पुंआरिया, पंजीयन क्र. 83, दिनांक 28 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये सहकारिता, विस्तार अधिकारी, जनपद पंचायत, चीचली, नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-B)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/163.—सीता रेवा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, गांगई, पंजीयन क्र. 93, दिनांक 17 अक्टूबर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 10 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डॉ. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में सीता रेवा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, गांगई, पंजीयन क्र. 93, दिनांक 17 अक्टूबर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एस. पटेल, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-C)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/164.—गजानन बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, बावई कला, पंजीयन क्र. 52, दिनांक 05 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 10 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डॉ. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में गजानन बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, बावई कला, पंजीयन क्र. 52, दिनांक 05 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री जी. पी. अहिरवार, उप-अंकेक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-D)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/165.—रेवा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, भूतखेड़ा, पंजीयन क्र. 92, दिनांक 13 अक्टूबर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 18 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में रेवा बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, भूतखेडा, पंजीयन क्र. 92, दिनांक 13 अक्टूबर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री आर. एस. रघुवंशी, सहकारिता, विस्तार अधिकारी, जनपद पंचायत साईंखेडा को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-E)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/166.—पंचवटी बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, धनौरा, पंजीयन क्र. 111, दिनांक 08 जून, 2012 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 25 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में पंचवटी बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, धनौरा, पंजीयन क्र. 111, दिनांक 08 जून, 2012 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एम. सोनी, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-F)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/167.—तुलसी बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, महगुंवा कला, पंजीयन क्र. 37, दिनांक 24 अगस्त, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में तुलसी बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, महगुंवा कला, पंजीयन क्र. 37, दिनांक 24 अगस्त, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एम. सोनी, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-G)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/168.—राम बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, उकासघाट, पंजीयन क्र. 40, दिनांक 29 अगस्त, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 13 जनवरी, 2014 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में राम बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, उकासघाट, पंजीयन क्र. 40, दिनांक 29 अगस्त, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एम. सोनी, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (आडिट) नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-H)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/169.—शिवम् बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, घुटंगो, पंजीयन क्र. 35, दिनांक 17 अगस्त, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 20 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में शिवम् बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, घुटंगो, पंजीयन क्र. 35, दिनांक 17 अगस्त, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एस. पटेल, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (आडिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-I)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/170.—विध्याचल बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, बंधी, पंजीयन क्र. 47, दिनांक 02 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में विध्याचल बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, बंधी,

पंजीयन क्र. 47, दिनांक 02 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री सी. एस. पटेल, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-J)

नरसिंहपुर, दिनांक 5 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/171.—आदर्श बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, खुर्शीपार, पंजीयन क्र. 60, दिनांक 09 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 25 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में आदर्श बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, खुर्शीपार, पंजीयन क्र. 60, दिनांक 09 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री आर. एस. रघुवंशी, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जनपद पंचायत, साईंखेडा को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-K)

नरसिंहपुर, दिनांक 5 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/172.—आदर्श बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, इमालिया (पीपरिया) पंजीयन क्र. 28, दिनांक 12 अगस्त, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 20 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में आदर्श बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, इमालिया (पीपरिया) पंजीयन क्र. 28, दिनांक 12 अगस्त, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री एस.एस. भाटी, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जनपद पंचायत, चीचली को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-L)

नरसिंहपुर, दिनांक 5 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/173.—माँ शारद बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, भौरझिर, पंजीयन क्र. 85, दिनांक 29 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 20 जनवरी, 2014 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता, विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में माँ शारद बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, भौरशिर, पंजीयन क्र. 85, दिनांक 29 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री साहेश चित्रे, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-M)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/174.—मारुति बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, बंदेसुर, पंजीयन क्र. 73, दिनांक 22 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 20 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में मारुति बीज उत्पादक स्वायत्त सहकारिता, बंदेसुर, पंजीयन क्र. 73, दिनांक 22 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री साहेश चित्रे, सहकारी निरीक्षक, सहायक आयुक्त (ऑफिट), नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-N)

नरसिंहपुर, दिनांक 05 फरवरी, 2014

पत्र क्र./उरन/परि./2013-14/175.—गजानंद उद्यानिकी स्वायत्त सहकारिता, करकबेल, पंजीयन क्र. 64, दिनांक 09 सितम्बर, 2011 के निदेशक बोर्ड द्वारा लिये गये निर्णय एवं समिति के लेटर पेड पर हस्त लिखित-पत्र दिनांक 20 दिसम्बर, 2013 मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें लेख किया गया कि संस्था ने पंजीयन दिनांक से कोई कार्य नहीं किया है तथा संस्था के सदस्य आगे संस्था को चालू रखना नहीं चाहते। संस्था को परिसमापन में लाया जाये।

उपरोक्त तथ्यों के प्रतिउत्तर में संस्था अध्यक्ष द्वारा संस्था को अकार्यशील बताया जाने के कारण संस्था को परिसमापन में लाने हेतु स्वलिखित-पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

अतः मैं, डी. पी. सिंह, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्था, नरसिंहपुर मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में गजानंद उद्यानिकी स्वायत्त सहकारिता, करकबेल, पंजीयन क्र. 64, दिनांक 09 सितम्बर, 2011 मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदेश जारी होने की दिनांक से परिसमापन में लाता हूँ और सोसायटी की आस्तियों, दायित्वों का विधिवत् निपटारा कर कामकाज समेटने के लिये श्री संजय दुबे, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जनपद पंचायत, गोटेगांव को अधिनियम की धारा-70 (1) के आधीन परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 05 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

(182-O)

डी. पी. सिंह,
उप-रजिस्ट्रार.

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1484, दिनांक 03 जुलाई, 2013 द्वारा दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., गेलाखेड़ी, जिला उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 623, दिनांक 19 दिसम्बर, 1983 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री विनायक राजुरकर, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 30 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1484, दिनांक 03 जुलाई, 2013 द्वारा दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., दौलतपुर, तह. बड़नगर, जिला उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 809, दिनांक 30 सितम्बर, 1988 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. एस. कनेल, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 30 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-A)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 476, दिनांक 27 फरवरी, 2013 द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., चिन्तामण जवासिया, जिला उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 576, दिनांक 24 अक्टूबर, 1981 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. एल. नागर, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-B)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/201.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 3025, दिनांक 26 दिसम्बर, 2012 द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., मौलाना, जिसका पंजीयन क्रमांक 586, दिनांक 04 जून, 1982 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री विनायक राजुरकर, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-C)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/202.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2384, दिनांक 04 दिसम्बर, 2012 द्वारा दुआध सहकारी संस्था मर्या., ढाबलारेहवारी, जिसका पंजीयन क्रमांक 499, दिनांक 22 सितम्बर, 1980 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एस. के. मालवीय, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-D)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/203.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2384, दिनांक 04 दिसम्बर, 2012 द्वारा दुआध सहकारी संस्था मर्या., मालीखेड़ी, जिसका पंजीयन क्रमांक 551, दिनांक 30 जून, 1981 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एस. के. मालवीय, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-E)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/204.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2384, दिनांक 04 दिसम्बर, 2012 द्वारा द्वाध सहकारी संस्था मर्या., कदवाली, जिसका पंजीयन क्रमांक 662, दिनांक 16 मार्च, 1984 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एस. के. मालवीय, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-F)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/205.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 479, दिनांक 27 फरवरी, 2013 द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., भाटीसुडा, जिसका पंजीयन क्रमांक 757, दिनांक 02 जुलाई, 1987 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. एल. परमार, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-G)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1113, दिनांक 01 जून, 2012 द्वारा मालपुरा महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., मालपुरा, तह. बड़नगर, जिला उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 72, दिनांक 28 जुलाई, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. एस. कनेल, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-H)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/208.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा अपना महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., असलावदा, जिसका पंजीयन क्रमांक 54, दिनांक 05 जून, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. एस. कनेल, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-I)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1884, दिनांक 25 जुलाई, 2001 द्वारा दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., भीकमपुर, जिसका पंजीयन क्रमांक 1053, दिनांक 25 मई, 1992 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एस. एल. चौहान, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-J)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा राज महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., भिड़ावद, जिसका पंजीयन क्रमांक 38, दिनांक 12 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. एस. कनेल, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-K)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 476, दिनांक 27 फरवरी, 2013 द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., लेकोड़ा, जिसका पंजीयन क्रमांक 635, दिनांक 19 दिसम्बर, 1983 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. एल. नागर, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-L)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1884, दिनांक 25 जुलाई, 2001 द्वारा दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., पाड़सूतिया, जिसका पंजीयन क्रमांक 1054, दिनांक 20 मई, 1992 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एस. एल. चौहान, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-M)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/213.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 488, दिनांक 02 फरवरी, 1984 द्वारा रविदास चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., सागोतीमाता, जिसका पंजीयन क्रमांक 217, दिनांक 30 जनवरी, 1964 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री प्रदीप नाहटा, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-N)

उज्जैन, दिनांक 24 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/214.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 261, दिनांक 06 फरवरी, 2008 द्वारा भूमिहीन बन उपज क्रय-विक्रय सहकारी संस्था मर्या., माधौपुरा, जिला उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 1105, दिनांक 07 जून, 1994 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एस. एल. चौहान, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(182-O)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2443, दिनांक 31 दिसम्बर, 2007 द्वारा संत परमहंस साख सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन, जिसका पंजीयन क्रमांक 1075, दिनांक 01 मार्च, 1993 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री सुधीर जैन, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

मनोज जायसवाल,
उप-पंजीयक।

(182-P)

कार्यालय उपायुक्त सहकारिता, जिला रत्लाम

रत्लाम, दिनांक 22 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1028.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./1687, दिनांक 25 अगस्त, 2000 के द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, सुखेड़ा, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/531, दिनांक 06 अक्टूबर, 1990 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री पी. के. भट्ट, मार्ग पर्यवेक्षक, दुग्ध सहकारी संघ, उज्जैन शीत केन्द्र, रत्लाम को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रत्लाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, सुखेड़ी, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/531, दिनांक 06 अक्टूबर, 1990 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(156)

रत्लाम, दिनांक 23 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1033.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./152, दिनांक 05 फरवरी, 2009 के द्वारा महावीर गृह निर्माण सहकारी सोसायटी मर्यादित, रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/31, दिनांक 30 अगस्त, 1977 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री आर. एस. पैवार, सहकारी निरीक्षक एवं परिसमापक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रत्लाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए महावीर गृह निर्माण सहकारी सोसायटी मर्यादित, रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/31, दिनांक 30 अगस्त, 1977 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 23 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(158-A)

रत्लाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1337.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./647, रत्लाम, दिनांक 02 मई, 2013 के द्वारा आजीविका विकास सहकारी सोसायटी मर्यादित, लाम्बाखेड़ी, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/830, दिनांक 20 जून, 2005 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री ए. एस. राठौर, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रत्लाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आजीविका विकास सहकारी सोसायटी मर्यादित, लाम्बाखेड़ी, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/830, दिनांक 20 जून, 2005 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185)

रत्लाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1338.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./648, रत्लाम, दिनांक 02 मई, 2013 के द्वारा आजीविका विकास सहकारी सोसायटी मर्यादित, सबलगढ़, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/831, दिनांक 20 जून, 2005 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री ए. एस. राठौर,

वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रत्लाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आजीविका विकास सहकारी सोसायटी मर्यादित, सबलगढ़, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/831, दिनांक 20 जून, 2005 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-A)

रत्लाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1339.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./687, रत्लाम, दिनांक 02 मई, 2013 के द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, बरसी, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/516, दिनांक 20 जून, 1989 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री आर. एस. पैवार, स.नि./स.वि.आ. आलोट, को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रत्लाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, बरसी, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/516, दिनांक 20 जून, 1989 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-B)

रत्लाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1340.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./692, रत्लाम, दिनांक 02 मई, 2013 के द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, कसारी हरोड, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/486, दिनांक 07 नवम्बर, 1986 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री आर. एस. पैवार, स.नि./स.वि.आ. आलोट, को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रत्लाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, कसारी हरोड, जिला रत्लाम, पंजीयन क्रमांक/486, दिनांक 07 नवम्बर, 1986 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-C)

रतलाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1341.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./695, रतलाम, दिनांक 02 मई, 2013 के सहयोग फल-फूल, साग-सब्जी उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक/744, दिनांक 12 फरवरी, 2002 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री जे. सी. जौनवाल, व.स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहयोग फल-फूल, साग-सब्जी उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक/774, दिनांक 12 फरवरी, 2002 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-D)

रतलाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1342.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./1003, रतलाम, दिनांक 15 जुलाई, 2008 के द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, राकोदा, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक/475, दिनांक 07 नवम्बर, 1989 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री आर. के. वर्मा, स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए तिलहन उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, राकोदा, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक/475, दिनांक 07 नवम्बर, 1989 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-E)

रतलाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1343.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./204, रतलाम, दिनांक 16 जनवरी, 2013 के द्वारा खादी ग्रामोद्योग सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक/23, दिनांक 30 अप्रैल, 1958 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री व्ही. के. वर्मा, व.स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए खादी ग्रामोद्योग सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक/23, दिनांक 30 अप्रैल, 1958 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-F)

रतलाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1344.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./878, रतलाम, दिनांक 12 जून, 2013 के द्वारा जैन सौभाग्य गृह निर्माण सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक/398, दिनांक 25 अप्रैल, 1986 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री एन. के. नान्देचा, स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए जैन सौभाग्य गृह निर्माण सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक/398, दिनांक 25 अप्रैल, 1986 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-G)

रतलाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1346.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./199, रतलाम, दिनांक 16 जनवरी, 2013 के द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, गुलबालौद, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक/689, दिनांक 19 मार्च, 1996 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री आर. सी. बामनिया, स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, गुलबालौद, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक/689, दिनांक 19 मार्च, 1996 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-H)

रतलाम, दिनांक 28 अक्टूबर, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1347.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./679, रतलाम, दिनांक 02 मई, 2013 के द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, मरम्या, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक/817, दिनांक 15 दिसम्बर, 2004 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री आर. के. भट्ट, स.नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, मरम्या, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक/817, दिनांक 15 दिसम्बर, 2004 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता है।

यह आदेश आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(185-I)

रतलाम, दिनांक 6 जुलाई, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

सैलाना गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, सैलाना,
जिला रतलाम (म.प्र.).

क्र./परि./2013/969.—मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-58 के तहत वर्ष 2011-12 में की गई सम्परीक्षा में सोसायटी को अकार्यशील पाया जाकर डी-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है।

सोसायटी के डी-वर्गीकरण से स्पष्ट है कि सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है। अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए— सैलाना गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, सैलाना, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश, पंजीयन क्रमांक/316, दिनांक 14 फरवरी, 1983 को धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे।

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे दिनांक 25 जुलाई, 2013 तक मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं।

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावेगा।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 06 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(186)

रतलाम, दिनांक 6 जुलाई, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

कालीदास गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, रतलाम (म.प्र.).

क्र./परि./2013/970.—मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-58 के तहत वर्ष 2011-12 में की गई सम्परीक्षा में सोसायटी को अकार्यशील पाया जाकर डी-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है।

सोसायटी के डी-वर्गीकरण से स्पष्ट है कि सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है। अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए—कालीदास गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश, पंजीयन क्रमांक/426, दिनांक 26 मार्च, 1987 को धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे।

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे दिनांक 25 जुलाई, 2013 तक मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं।

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावेगा।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 06 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(186-A)

रतलाम, दिनांक 6 जुलाई, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अवार्ड स्टॉफ (राम बाग),
सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित, रतलाम (म.प्र.):

क्र./परि./2013/971.—मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-58 के तहत वर्ष 2011-12 में की गई सम्परीक्षा में सोसायटी को अकार्यशील पाया जाकर ढी-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है।

सोसायटी के ढी-वर्गीकरण से स्पष्ट है कि सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है। अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए— स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अवार्ड स्टॉफ (राम बाग) सहकारी गृह निर्माण, संस्था मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश, पंजीयन क्रमांक/26, दिनांक 18 सितम्बर, 1977 की धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे।

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे दिनांक 25 जुलाई, 2013 तक मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं।

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावे।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 06 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(186-B)

रतलाम, दिनांक 6 जुलाई, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

जैन कॉलोनी गृह निर्माण सहकारी संस्था,
मर्यादित, रतलाम (म.प्र.).

क्र./परि./2013/972.—मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-58 के तहत वर्ष 2011-12 में की गई सम्परीक्षा में सोसायटी को अकार्यशील पाया जाकर ढी-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है।

सोसायटी के ढी-वर्गीकरण से स्पष्ट है कि सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है। अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए— जैन गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश पंजीयन क्रमांक/33, दिनांक 16 फरवरी, 1979 को धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे।

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे दिनांक 25 जुलाई, 2013 तक मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं।

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावे।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 06 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(186-C)

रतलाम, दिनांक 6 जुलाई, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

भू-अभिलेख एवं राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था,
मर्यादित, रतलाम (म.प्र.).

क्र./परि./2013/973.—मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-58 के तहत वर्ष 2011-12 में की गई सम्परीक्षा में सोसायटी को अकार्यशील पाया जाकर डी-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है।

सोसायटी के डी-वर्गीकरण से स्पष्ट है कि सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है। अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए— भू-अभिलेख एवं राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश, पंजीयन क्रमांक/613, दिनांक 01 जून, 1994 को धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे।

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे दिनांक 25 जुलाई, 2013 तक मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं।

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावे।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 06 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(186-D)

रतलाम, दिनांक 6 जुलाई, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

जल देवी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था, मर्यादित,
बिरमावल, तह. व जिला-रतलाम (म.प्र.).

क्र./परि./2013/974.—कार्यालय सहायक संचालक, मत्स्य उद्योग, जिला रतलाम के पत्र क्रमांक/78/मत्स्य/यो./सह./2012-13, दिनांक 25 मार्च, 2013 के द्वारा अक्रियाशील मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित करते हुए परिसमापन की अनुशंसा की गई है।

सहायक संचालक, मत्स्य उद्योग, जिला रतलाम की अनुशंसा अनुसार सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बंद कर दिया है। अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए— जल देवी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था, मर्यादित, बिरमावल, तह. व जिला-रतलाम, मध्यप्रदेश, पंजीयन क्रमांक/781, दिनांक 05 फरवरी, 2003 को धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे।

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे दिनांक 25 जुलाई, 2013 तक मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं।

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावे।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 06 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

पी. आर. कावड़कर,
उप-रजिस्ट्रार.

(186-E)



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 11]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 14 मार्च 2014-फाल्गुन 23, शके 1935

भाग 3 (2)

सांख्यिकीय सूचनाएं

कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल एवं पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 13 नवम्बर, 2013

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह मौसम शुष्क रहा है तथा राज्य के भिण्ड, ग्वालियर, अशोकनगर, टीकमगढ़, सागर जिले को छोड़कर किसी भी जिले में वर्षा का होना नहीं पाया गया है।—

(अ) 0.1 मि. मी. से 17.4 मि. मी. तक.—तहसील भिण्ड (भिण्ड), ग्वालियर, डबरा (ग्वालियर), ईसागढ़, अशोकनगर (अशोकनगर), जतारा, ओरछा (टीकमगढ़), सागर, रेहली, गढ़ाकोटा (सागर) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

(ब) 17.5 मि. मी. से 34.9 मि. मी. तक.—तहसील चन्देरी (अशोकनगर) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

2. जुताई.—जिला श्योपुर, ग्वालियर, छतरपुर, दमोह, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, सिंगरौली, मंदसौर, झाबुआ, धार, खरगोन, भोपाल, सीहोर, बैतूल, होशंगाबाद, जबलपुर, कटनी, सिवनी में रबी फसल की जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

3. बोनी.—जिला झाबुआ में फसल चना व सिंगरौली में सरसों, चना, अलसी, मसूर व मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, छतरपुर, दमोह, रीवा, अनूपपुर, सीधी, मंदसौर, उज्जैन, धार, इंदौर, भोपाल, सीहोर, रायसेन, बैतूल, हरदा, जबलपुर, कटनी, बुरहानपुर, सिवनी में रबी फसलों की बोनी का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

4. फसल स्थिति.—

5. कटाई.—जिला भोपाल, होशंगाबाद, कटनी, सिवनी में फसल धान व बैतूल में खरीफ फसलों की कटाई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

6. सिंचाई.—जिला ग्वालियर, शहडोल में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

7. पशुओं की स्थिति.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है।

8. चारा.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

9. बीज.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

10. खेतिहर श्रमिक.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं।

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक सूचना-पत्रक, सप्ताहांत बुधवार, दिनांक 13 नवम्बर, 2013

जिला/तहसीलें	1. सप्ताह में हुई वर्षा:- (अ) वर्षा का माप (मि. मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धान की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत- (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
जिला मुरैना :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. अम्बाह 2. पोरसा 3. मुरैना 4. जौरा 5. सबलगढ़ 6. कैलारस				
जिला श्योपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) ज्वार, मूँगफली, कपास, गन्ना, तिल, धान, सोयाबीन, उड्ड, मूँग, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलों समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला भिण्ड :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) ज्वार, बाजरा, तिल समान. (2) उपरोक्त फसलों समान.	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. अटेर 2. भिण्ड 3. गोहद 4. मेहगांव 5. लहार 6. मिहोना 7. रौन	.. 2.0				
जिला ग्वालियर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना, मूँगमोठ, तुअर, मूँगफली, तिल अधिक, उड्ड कम. (2) उपरोक्त फसलों समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. ग्वालियर 2. डबरा 3. भितरबार 4. घाटीगांव	1.0 2.0				
जिला दतिया :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) उड्ड, तिल, सोयाबीन, मूँगफली, ज्वार, धान, गन्ना, बाजरा, मक्का, मूँग.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सेवढा 2. दतिया 3. भाण्डेर		(2) ..		
जिला शिवपुरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गन्ना, मूँगफली, सोयाबीन अधिक. (2) उपरोक्त फसलों सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. शिवपुरी 2. पिछोर 3. खनियाधाना 4. नरवर 5. कौरें 6. कोलारस 7. पोहरी 8. बदरवास				

1	2	3	4	5	6
जिला अशोकनगर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) सोयाबीन अधिक. उड़द, मक्का, गना कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. मुंगावली	..				
2. ईसागढ़	5.0				
3. अशोकनगर	16.0				
4. चन्देरी	25.0				
5. शाढौरा	..				
*जिला गुना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. गुना	..				
2. राघौगढ़	..				
3. बमोरी	..				
4. आरोन	..				
5. चाचौड़ा	..				
6. कुम्भराज	..				
जिला टीकमगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) ज्वार, गना, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	..				
2. पृथ्वीपुर	..				
3. जतारा	7.0				
4. टीकमगढ़	..				
5. बल्देवगढ़	..				
6. पलेरा	..				
7. औरछा	2.0				
जिला छत्तरपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) ज्वार, अरहर अधिक. तिल कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. लौण्डी	..				
2. गौरीहार	..				
3. नौगांव	..				
4. छत्तरपुर	..				
5. राजनगर	..				
6. बिजावर	..				
7. बड़ामलहरा	..				
8. बक्सवाहा	..				
*जिला पन्ना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. अजयगढ़	..				
2. पन्ना	..				
3. गुन्नौर	..				
4. पर्वई	..				
5. शाहनगर	..				
जिला सागर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तिवड़ा, राई-सरसों, अलसी, आलू, प्याज समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बीना	..				
2. खुरई	..				
3. बण्डा	..				
4. सागर	2.4				
5. रेहली	1.0				
6. देवरी	..				
7. गढ़ाकोटा	11.2				
8. राहतगढ़	..				
9. केसली	..				
10. मालथोन	..				
11. शाहगढ़	..				

1	2	3	4	5	6
जिला दमोह : 1. हटा 2. बटियागढ़ 3. दमोह 4. पथरिया 5. जवेरा 6. तेन्दुखेड़ा 7. पटेरा	मिलीमीटर ..	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है।	3. कोई घटना नहीं। 4. (1) धान, ज्वार, तुअर, गेहूँ, चना, मटर, मसूर, अलसी सुधरी हुई। (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई।	5. पर्याप्त। 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त।	7. पर्याप्त। 8. पर्याप्त।
*जिला सतना : 1. रघुराजनगर 2. मझगांव 3. रामपुर-बघेलान 4. नागौद 5. उचेहरा 6. अमरपाटन 7. रामनगर 8. मैहर 9. बिरसिंहपुर	मिलीमीटर ..	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
जिला रीवा : 1. त्यौंथर 2. सिरमौर 3. मऊगंज 4. हनुमना 5. हजूर 6. गुढ़ 7. गयपुरकर्चिलियान	मिलीमीटर ..	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है।	3. कोई घटना नहीं। 4. (1) अरहर, धान, ज्वार, सोयाबीन, मूँग, उड़द, तिल समान。 (2) उपरोक्त फसलें समान।	5. पर्याप्त। 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त।	7. पर्याप्त। 8. पर्याप्त।
जिला शहडोल : 1. सोहागपुर 2. ब्यौहारी 3. जैसिंहनगर 4. जैतपुर	मिलीमीटर ..	2. ..	3. .. 4. (1) मक्का, धान, उड़द, अरहर, सोयाबीन कम। (2) ..	5. अपर्याप्त। 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त।	7. पर्याप्त। 8. पर्याप्त।
जिला अनूपपुर : 1. जैतहरी 2. अनूपपुर 3. कोतमा 4. पुष्पराजगढ़	मिलीमीटर ..	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है।	3. कोई घटना नहीं। 4. (1) धान अधिक, राई-सरसों, मसूर, चना कम, कोदों, सोयाबीन, उड़द, तिल समान। (2) ..	5. पर्याप्त। 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त।	7. पर्याप्त। 8. पर्याप्त।
जिला उमरिया : 1. बांधवगढ़ 2. पाली 3. मानपुर	मिलीमीटर ..	2. जुताई का कार्य चालू है।	3. कोई घटना नहीं। 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, कोदों-कुटकी, तुअर, उड़द, सोयाबीन, तिल, रामतिल अधिक। (2) उपरोक्त फसलें समान।	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त।	7. पर्याप्त। 8. पर्याप्त।

1	2	3	4	5	6
जिला सीधी : 1. गोपदवनास 2. सिंहावल 3. मझौली 4. कुसमी 5. चुरहट 6. रामपुरनैकिन	मिलीमीटर ..	2. जुताई एवं रबी फसल की बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) रई, सरसों, चना, मटर, मसूर कम. अलसी समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
जिला सिंगरौली : 1. चितरंगी 2. देवसर 3. सिंगरौली	मिलीमीटर ..	2. जुताई एवं सरसों, चना, अलसी, मसूर की बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) धान अधिक. रई-सरसों, चना, मसूर, अलसी कम. ज्वार, मूँग कोदों समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला मन्दसौर : 1. सुवासरा-टप्पा 2. भानपुरा 3. मल्हारगढ़ 4. गरोठ 5. मन्दसौर 6. धुन्थड़का 7. सीतामऊ 8. शामगढ़ 9. कथामपुर 10. संजीत	मिलीमीटर ..	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) सोयाबीन अधिक. मक्का कम. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला नीमच : 1. जावद 2. नीमच 3. मनासा	मिलीमीटर ..	2. ..	3. .. 4. (1) सोयाबीन, मक्का, तिल अधिक. मूँगफली कम. उड़द, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला रतलाम : 1. जावरा 2. आलोट 3. सैलाना 4. बाजना 5. पिपलौदा 6. रतलाम	मिलीमीटर ..	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला उज्जैन : 1. खाचरौद 2. महिदपुर 3. तराना 4. घटिया 5. उज्जैन 6. बड़नगर 7. नागदा	मिलीमीटर ..	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) सोयाबीन, मक्का समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला शाजापुर : 1. मो. बड़ोदिया 2. शाजापुर 3. शुजालपुर 4. कालापीपल 5. गुलाना	मिलीमीटर ..	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, चना, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.

1	2	3	4	5	6
जिला देवास :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर, उड़द, मूँगोठ, गन्ना, मूँगफली अधिक. कपास, कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोनकछु 2. टोंकखुद 3. देवास 4. बागली 5. कल्नौद 6. खातेगांव			
जिला झाबुआ :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं चना की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) कपास, तुअर अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. थांदला 2. मेघनगर 3. पेटलावद 4. झाबुआ 5. राणापुर			
जिला अलीराजपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर कम. ज्वार, सोयाबीन, कपास समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. जोवट 2. अलीराजपुर 3. कट्टीवाड़ा 4. सोणडवा 5. च.शे.आ. नगर			
जिला धार :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, कपास, मक्का अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बदनावर 2. सरदारपुर 3. धार 4. कुक्की 5. मनावर 6. धरमपुरी 7. गंधवानी 8. डही			
जिला इन्दौर :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. देपालपुर 2. सांवर 3. इन्दौर 4. महू (डॉ. अम्बेडकरनगर)			
जिला प. निमाड़ :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) ज्वार, मक्का, धान, बाजरा, कपास, मूँगफली, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बड़वाह 2. महेश्वर 3. सेंगांव 4. खराऊन 5. गोगावां 6. कसरावद 7. भगवानपुरा 8. भीकनगांव 9. झिरन्या			

1	2	3	4	5	6
*जिला बड़वानी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. बड़वानी	..				
2. ठीकरी	..				
3. राजपुर	..				
4. सेंधवा	..				
5. पानसेमल	..				
6. पाटी	..				
7. निवाली	..				
*जिला पूर्णनिमाड़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूं, चना समान. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. खण्डवा	..				
2. पंधाना	..				
3. हरसूद	..				
*जिला बुरहानपुर :	मिलीमीटर	2. रबी फसल की बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) कपास, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	..				
2. खकनार	..				
3. नेपानगर	..				
*जिला राजगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. जीरापुर	..				
2. खिलचीपुर	..				
3. राजगढ़	..				
4. ब्यावरा	..				
5. सारंगपुर	..				
6. नरसिंहगढ़	..				
*जिला विदिशा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) अरहर, उड़द, मूँग, सोयाबीन. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. लटेरी	..				
2. सिरोंज	..				
3. कुरवाई	..				
4. बासौदा	..				
5. नटेन	..				
6. विदिशा	..				
7. ग्यारसपुर	..				
*जिला भोपाल :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी व धन की कटाई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) सोयाबीन अधिक. मक्का, मूँगफली, तुअर, गन्ना कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बैरसिया	..				
2. हुजूर	..				
*जिला सीहोर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सीहोर	..				
2. आष्टा	..				
3. इछावर	..				
4. नसरुल्लागंज	..				
5. बुधनी	..				

1	2	3	4	5	6
जिला रायसेन :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. रायसेन	..				
2. गैरतगंज	..				
3. बेगमगंज	..				
4. गोहरगंज	..				
5. बरेली	..				
6. सिलबानी	..				
7. उदयपुरा	..				
8. बाड़ी	..				
जिला बैतूल :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी व खरीफ फसलों की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ मटर, चना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. भैसदेही	..				
2. शाहपुर	..				
3. बैतूल	..				
4. मुलताई	..				
5. आमला	..				
जिला होशंगाबाद :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं धान की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, सोयाबीन, गन्ना, मूँगमोठ, उड्ड, तुआर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सिवनी-मालवा	..				
2. होशंगाबाद	..				
3. बाबई	..				
4. इटारसी	..				
5. सोहागपुर	..				
6. पिपरिया	..				
7. वनखेड़ी	..				
8. पचमढ़ी	..				
जिला हरदा :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) सोयाबीन बिंगड़ी हुई. (2) उपरोक्त फसल बिंगड़ी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हरदा	..				
2. खिड़किया	..				
3. टिमरनी	..				
जिला जबलपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) धान समान. (2) उपरोक्त फसल समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. सीहोरा	..				
2. पाठन	..				
3. जबलपुर	..				
4. कुण्डम	..				
जिला कटनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी व धान एवं अन्य खरीफ फसलों की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, राहर, चना, अलसी समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. कटनी	..				
2. रीठी	..				
3. विजयराघवगढ़	..				
4. बहोरीबंद	..				
5. ढीमरखेड़ी	..				
6. बरही	..				

1	2	3	4	5	6
*जिला नरसिंहपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. ... 8. ...
1. गाडरवारा	..				
2. करेली	..				
3. नरसिंहपुर	..				
4. गोटेगांव	..				
5. तेन्दूखेड़ा	..				
जिला मण्डला :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) धान, मक्का, कोदों, तुअर, तिल, सन समान. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. निवास	..				
2. बिछिया	..				
3. नैनपुर	..				
4. मण्डला	..				
5. घुघरी	..				
6. नारायणगंज	..				
*जिला डिण्डोरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. ... 8. ...
1. डिण्डोरी	..				
2. शाहपुरा	..				
जिला छिन्दवाड़ा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा	..				
2. जुन्नारदेव	..				
3. परासिया	..				
4. जामई (तामिया)	..				
5. सोंसर	..				
6. पांडुर्णा	..				
7. अमरवाड़ा	..				
8. चौरई	..				
9. बिछुआ	..				
10. हर्रई	..				
11. मोहखेड़ा	..				
जिला सिवनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं रबी की बोनी व धान की कटाई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) धान, मक्का, तुअर, तिल, रामतिल, गना अधिक. ज्वार, कोदों-कुटकी, उड्ड, सोयाबीन, सन कम. मूँग, मूँगफली समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सिवनी	..				
2. केवलारी	..				
3. लखनादौन	..				
4. बरधाट	..				
5. कुरई	..				
6. धंसौर	..				
7. धनोरा	..				
8. छपारा	..				
जिला बालाधाट :	मिलीमीटर	2. धान की कटाई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बालाधाट	..				
2. लाँजी	..				
3. बैहर	..				
4. वारासिवनी	..				
5. कटंगी	..				
6. किरनापुर	..				

टीप.— *जिला गुना, पन्ना, सतना, बड़वानी, राजगढ़, नरसिंहपुर व डिण्डोरी से पत्रक अप्राप्त रहे हैं।

(174)

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन-सामग्री, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा प्रकाशित तथा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, ग्वालियर द्वारा मुद्रित-2014.

राजीव रंजन,

आयुक्त,

भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश.